website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 19 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 30 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

देश में आरएसएस की विचारधारा पर घमासान

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने की आरएसएस की तारीफ और केरल से सांसद शशि थरूर ने भी सहमति जताई। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता मणिक्कम टैगोर ने आरएसएस की तुलना आतंकी संगठन अलकायदा से कर दी। उन्होंने कहा कि भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शन नफरत और आतंक फैलाता है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरएसएस को महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम की विचारधारा से जोड़ा और कहा कि आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत नहीं है।

जयपुर। नई दिल्ली में कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सीडब्लूसी के बैठक में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह के बयान पर कांग्रेस नेताओं के बीच जबरदस्त बहस छिड़ गई। दिग्विजय सिंह ने आरएसएस संगठन और भाजपा के संगठनात्मिक क्षमता, एकता और निर्णय लेने की क्षमता की तारीफ की और कांग्रेस को आरएसएस से सीख लेने की नसीहत दी। केरल से सांसद शशि थरूर ने भी कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए दिग्विजय सिंह के विचारों से सहमति जताई और कहा कि 140 वर्ष पुराने संगठन को मजबूत बनाने की जरूरत है। दूसरी तरफ कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरएसएस को महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे की विचारधारा का संगठन बताया और कहा कि आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता मणिक्कम टैगोर ने आरएसएस की तुलना आतंकी संगठन अलकायदा से कर दी। उन्होंने कहा कि भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शन

नफरत और आतंक फैलाता है। जबकि कांग्रेस की विचारधारा लोगों को जोड़ने की है। कुछ भी हो कांग्रेस के भीतर दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर घमासान मचा हुआ है।

कांग्रेस में क्या चल रहा है-

कांग्रेस में तेजी से बदलाव हो रहा है। वर्तमान कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी की कांग्रेस मानी जा रही है। जो नेता सिर्फ बयानों और जोड़-तोड़ से राजनीति करके कांग्रेस पार्टी के उच्च पदों पर पहुंच गए,

अब उनको बेचैनी होने लगी है। राहुल गांधी एक मेहनती, सक्रिय एवं संघर्षशील नेता है। जो नेता कांग्रेस में भाषणबाजी और जोड़-तोड़ की राजनीति करते थे उनके लिए कांग्रेस में धीरे-धीरे पार्टी के दरवाजे बंद होने लगे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने आरएसएस की तारीफ की, इसके पीछे दिग्विजय सिंह का अपना स्वार्थ दिखाई दे रहा है। उन्हें कांग्रेस में अपना भविष्य दिखाई नहीं दे रहा है। दिग्विजय सिंह प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी और आरएसएस की तारीफ अनायास ही नहीं कर रहे हैं, इसके पीछे दिग्विजय सिंह की सोची समझी राजनीति है। कांग्रेस में काफी नेता ऐसे हैं जो सत्ता के साथ रहना चाहते हैं। सत्ता भाजपा के पास है। दूसरा ऐसे नेताओं को जेल जाने से भी डर लगता है। कांग्रेस को राहुल गांधी ने आरएसएस और आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ खड़ा किया है ऐसी स्थिति में कांग्रेस और आरएसएस की विचारधारा कैसे समान हो सकती है। कांग्रेस सब वर्गों, जातियों और धर्म को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। जबकि आरएसएस और भाजपा अल्पसंख्यको विशेषकर मुसलमानो से दूरी बनाकर रखती है।

कांग्रेस में स्लीपर सेल कौन है-

कांग्रेस में कुछ विशेष जातियों के नेता हैं जिनकी विचारधारा आरएसएस से मेल खाती है। ऐसे नेता अपने वक्तव्यों से या तो कांग्रेस को नुकसान पहुंचाते रहते हैं या कमजोर बनाए रखते हैं। कांग्रेस में रहते हुए भी यह नेता दूसरों के लिए काम करते हैं। साथ में ऐसे नेता जोड़-तोड़ करके कांग्रेस सरकारों और कांग्रेस संगठनों में उच्च पदों तक पहुंच जाते हैं। कांग्रेस पार्टी में राहुल गांधी की नीतियों के कारण दलित, पिछड़े और आदिवासी तेजी से जुड़ते जा रहे हैं। कांग्रेस देश में विभिन्न चुनाव जरूर हार रही है। लेकिन जमीन पर कांग्रेस मजबूत भी हो रही है। कांग्रेस में आने वाले दिनों कुछ नेता और बगावत कर सकते हैं। लेकिन अब कांग्रेस पार्टी ज्यादा कमजोर नहीं हो सकती है।

असम के जिशान अहमद ने की नए ग्रह की खोज, NASA ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। आरियन जिशान मेधालय की यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (USTM) में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के पहले सेमेस्टर के B. TEC के छात्र हैं। वे रंगिया वार्ड नंबर 3 के निवासी हैं। उनकी इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार और शहर, बल्कि उनके शिक्षण संस्थानों और पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। आरियन ने इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल रिसर्च कोलैबोरेशन (IASC) के आधिकारिक शोध मिशन के तहत दो ऐसे मेन बेल्ट एस्टेरॉयड की पहचान की, जिन्हें पहले दर्ज नहीं किया गया था. इन एस्टेरॉयड को अब 2024 VE8 और 2024 VC23 नाम दिया गया है। इस शोध कार्य के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने उनके योगदान को मान्यता दी है, जो उनके शैक्षणिक जीवन की शुरुआत में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। आरियन, जैंतीपुर योगेश्वर विद्यापीठ के प्रिंसिपल मिराजुल इस्लाम और रूमा नाज़रीन के बड़े बेटे हैं. उन्होंने यह शोध हवाई विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉमी द्वारा संचालित पैनोरमिक सर्वे टेलीस्कोप एंड रैपिड रिस्पॉन्स सिस्टम (Pan-STARRS) से मिले आंकड़ों का विश्लेषण करके किया। यह टेलीस्कोप प्रणाली नासा के सहयोग से काम करती है। बता दें कि आरियन जिशान अहमद ने इन दोनों एस्टेरॉयड की पहचान गहन डेटा विश्लेषण के जरिए की, जो मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच स्थित मेन बेल्ट क्षेत्र में पाए जाते हैं। उनके मुताबिक ऐसी खोजें सौर मंडल की उत्पत्ति को समझने में मदद करती हैं और अंतरिक्ष में मौजूद खगोलीय पिंडों की निगरानी के लिए भी महत्वपूर्ण होती हैं। आरियन की इस उपलब्धि की हर तरफ सराहना हो रही है और इसे अंतरिक्ष विज्ञान, खगोलशास्त्र और शोध में रुचि रखने वाले युवा छात्रों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है. आर्यन जीशान अहमद हमसे बातचीत करते हुए आने वाले दिनों में और भी मेहनत कर कामयाबी हासिल करने की बात की और वह बहुत खुश है और अपने कामयाबी के बारे में भी उन्होंने कहा किस तरह से मेहनत किया।

ब्रिटेन में मुस्लिम महिला पुलिस के लिए मैग्नेटिक हिजाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोप के अलग-अलग हिस्सों में अक्सर हिजाब प्रतिबंध की खबरें सामने आती रहती हैं। इस बीच हाल ही में ब्रिटेन की पुलिस एक खास तरह के हिजाब को बढ़ावा दे रही है। इस हिजाब को ब्लू लाइट हिजाब या मैग्नेटिक हिजाब का नाम दिया गया है। दरअसल यह हिजाब खास तौर पर महिला पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। लेस्टरशायर पुलिस ने महिला अधिकारियों को ब्लू लाइट हिजाब पहनने की इजाजत दे दी है। वहीं ब्रिटेन की दूसरी पुलिस फोर्सेज भी इसे ऑर्डर कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पहल का मकसद पुलिस फोर्स को धार्मिक और लैंगिंग आधार पर समावेशी बनाना है। बताया गया है कि ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम महिलाओं को पुलिस सेवा से जोड़ने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। गौरतलब है कि ब्रिटेन में हाल के कुछ सालों में पुलिस फोर्स के भीतर इस्लामोफोबिया के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, खासकर महिला अधिकारियों के साथ। इस पर बात करते हुए एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2025 में ही उन्हें कम से कम 41 बार नस्लीय हमलों का सामना करना पड़ा। कई मौकों पर फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों की

ड्यूटी के दौरान, उनका हिजाब खींचने की कोशिश की गई। उन्हें हिजाब जलाने की धमकी भी दी गई।

कैसे रक्षा करेगा मैग्नेटिक हिजाब?

मैग्नेटिक हिजाब, अपने नाम के ही अनुरूप दो हिस्सों वाला हिजाब सिस्टम है, जिसमें एक क्विक रिलीज यानी जल्दी अलग हो जाने वाला मैकेनिज्म लगाया गया है। अगर किसी टकराव या झड़प के दौरान कोई हिजाब को खींचता है, तो उसका बाहरी हिस्सा तुरंत अलग हो जाएगा, जिससे गला घुटने या गंभीर चोट का खतरा कम हो जाएगा। वहीं इस डिजाइन में एक अंडरकैप भी है, जिसका आगे का हिस्सा चौड़ा है। यह अंडरकैप अपनी जगह पर बना रहता है, भले ही ऊपर का हिस्सा हट जाए। इससे महिला पुलिसकर्मी की मर्यादा बनी रहती है और उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है। पुलिस का कहना है कि यह डिजाइन सुरक्षा बढ़ाने के साथ-साथ धार्मिक समावेशन यानि इनक्लूसिविटी को भी बढ़ावा देता है।

दूसरे धर्म के लोगों और अल्पसंख्यकों की मोबलीचिंग सिर्फ एक उन्माद है !

-मोबलीचिंग वाली उन्मादी भीड़ अपने ही धर्म के उन लोगों के लिए खतरे पैदा करती है जो विदेश, दूसरे राज्यों एवं दूसरे स्थानों पर अपनी रोज़ी-रोटी के लिए कमाई करने जाते हैं।

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजनीति के चलते आजकल ऐसी उन्मादी भीड़ तैयार की जा रही है, जो एक इशारे पर उस सोची समझी घटना को अंजाम दे दे, जिससे राजनीतिक आर्थिक एवं धार्मिक लाभ उठाया जा सके। वर्तमान में बांग्लादेश में ऐसा ही हो रहा है, यहां हिंदुओं के खिलाफ एजेंडा चलाया जा रहा है। बांग्लादेश में वर्षों से भारत समर्थक शेख हसीना की सरकार थी। विरोधियों ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ एजेंडा चलाया और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को अपदस्थ किया। हिंदुओं की मोबलीचिंग की गई, नुकसान बांग्लादेश को हुआ। कोई भी बांग्लादेशी नागरिक अब भारत में सुरक्षित नहीं रह सकता है। भारत से आर्थिक, राजनीतिक एवं सुरक्षा के फायदे मिलना कम हो रहे हैं या बंद हो गए। लेकिन बांग्लादेश में उन्मादी भीड़ का नेतृत्व करने वालों को सिर्फ सत्ता चाहिए, जो उनको मिलने जा रही है। बांग्लादेश अंदरुनी रूप से आंदोलनों, तोड़-फोड़ एवं उत्पात का देश बनता जा रहा है। भारत विरोध बांग्लादेश की राजनीति का सब्जेक्ट बन गया है। बांग्लादेश को कितना नुकसान होगा, उन्मादी भीड़ और नेतृत्व करने वालों को अंदाजा नहीं है।

भारत में मोबलीचिंग और उत्पात

25 दिसंबर को क्रिसमस पर्व के अवसर पर धार्मिक लोगों के कई संगठनों ने ईसाइयों के चर्चों और समारोह में जाकर उत्पात मचाया और तोड़फोड़ की। यह उन्मादी समूह दूसरे

धर्मों के लोगों को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। भारत एक धर्म-निरपेक्ष देश है। यहां सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखा जाता है। भारत देश के लाखों हिंदू, मुस्लिम, सिख एवं ईसाई दूसरे देशों में व्यापार, शिक्षा लेने एवं मज़दूरी के लिए जाते हैं। विश्व में सबसे ज्यादा ईसाइयों के देश हैं, क्यों उन ईसाई देशों में भारतीयों या हिंदुओं के साथ मारपीट, मोबलीचिंग या पक्षपात हम पसंद करेंगे? नहीं करेंगे। फिर हमारे देश में ऐसा करके क्यों देश की छवि खराब की जा रही है। भारत की घटनाओं को आधार बनाकर ऑस्ट्रेलिया में हिंदुओं के साथ घटनाएं हुई। वर्तमान ग्लोबल एज का जमाना है। देश को आर्थिक, शैक्षणिक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध बनाने के लिए ऐसी घटनाओं को रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। देश में मुसलमानों के साथ हिजाब को लेकर, मोबलीचिंग को लेकर, मस्जिदों की तोड़फोड़ को लेकर घटनायें हुई जो ठीक नहीं कहीं जा सकती हैं। सरकार अपने स्तर पर कानून सम्मत कार्रवाई करे तो ठीक है। लेकिन यदि धार्मिक संगठन कानून हाथ में लेकर घटना घटित करें तो ठीक नहीं माना जा सकता है। इसलिए देश में धार्मिक उन्माद को रोका जाना चाहिए। यह किसी धर्म हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं बौद्ध धर्म के लोगों में उन्माद हो या सामूहिक हो, नुकसान देश को ही होता है।

सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी खाजा सज्जनुद्दीन को भावभीनी विदाई

-33 वर्षों की सेवा के बाद 31 दिसंबर को होंगे सेवानिवृत्त

नई दिल्ली। केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) मुख्यालय में एक गरिमामय समारोह के दौरान महानिदेशक CRPF के डीजी जी.पी. सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों ने खाजा सज्जनुद्दीन (Khaja Sajjanuddin), महानिरीक्षक (आईजी), सीटीसी मुधखेड़ को भावभीनी विदाई दी। खाजा सज्जनुद्दीन 31 दिसंबर 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 01 जुलाई 1992 को CRPF में शामिल हुए खाजा सज्जनुद्दीन का करियर नेतृत्व, साहस और कर्तव्य-निष्ठा की मिसाल रहा है। तीन दशकों से अधिक की सेवा के दौरान उन्होंने देश के कई संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों, वामपंथी उग्रवाद (LWE) प्रभावित क्षेत्रों में सेवा दी, साथ ही CRPF की विशिष्ट CoBRA (कमांडो बटालियन फॉर रेज़ोल्यूट एक्शन) इकाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने शानदार सेवाकाल में उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाज़ा गया, जिनमें प्रधानमंत्री का पुलिस महानिरीक्षक पदक (PMG – बार), मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस (MSM), विदेश सेवा पदक और संयुक्त राष्ट्र पदक शामिल हैं। संचालन के क्षेत्र में उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण यह है कि उन्होंने बेस्ट ऑपरेशनल बटालियन, बेस्ट CoBRA बटालियन और बेस्ट इकोनॉमिक बटालियन का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। एक कुशल प्रशिक्षक के रूप में भी खाजा सज्जनुद्दीन का योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने न केवल CRPF के जवानों को आधुनिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, बल्कि नेपाल पुलिस और दिल्ली पुलिस को भी प्रशिक्षण देकर अंतर-एजेंसी सहयोग को मज़बूत किया। विदाई समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके अनुकरणीय सेवाकाल, अनुशासन और मानवीय नेतृत्व की सराहना की। CRPF परिवार ने उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद स्वस्थ, सक्रिय और संतोषजनक जीवन की शुभकामनाएँ दीं। CRPF ने कहा कि खाजा सज्जनुद्दीन जैसे अधिकारी बल की रीढ़ होते हैं, जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी।

मुस्लिम इलाकों पर बुलडोजर एक्शन से भड़के केरल के मुख्यमंत्री

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कर्नाटक सरकार की कार्रवाई को लेकर कड़ी नाराज़गी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में अवैध निर्माण के नाम पर मुस्लिम समुदाय की बहुलता वाले रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर तोड़ा जा रहा है। तिरुवनंतपुरम से शुक्रवार को पिनराई विजयन ने फेसबुक पोस्ट के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बेंगलुरु के येलहंका इलाके के कोगिलु गांव में स्थित फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में हाल ही में हुई बुलडोज़र कार्रवाई का ज़िक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन इलाकों में किए गए तोड़फोड़ अभियान ने उन्हें बेहद व्यथित किया है।

कर्नाटक सरकार का बुलडोज़र जस्टिस

पिनराई विजयन ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि यह कार्रवाई कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान हुई। उन्होंने इसे बुलडोज़र जस्टिस करार देते हुए कहा कि ऐसी कठोर कार्रवाई ने उन्हें स्तब्ध कर दिया है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के रुख पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जो पार्टी खुद को सामाजिक न्याय और समानता की पक्षधर बताती है, वह इस

तरह लोगों को जबरन उनके घरों से बेदखल करने की कार्रवाई का समर्थन कैसे कर सकती है।

कार्रवाई के पीछे राजनीतिक मकसद

मुख्यमंत्री ने आगे चेतावनी दी कि अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ राजनीतिक मकसद से की जाने वाली कार्रवाइयों का दायरा अब दक्षिण भारत तक फैलता दिख रहा है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने इस बात पर भी दुख जताया कि लोगों को कड़ाके की ठंड के दौरान बेघर किया गया, जिससे उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। पिनराई विजयन ने प्रशासन की मूल जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी सरकार का कर्तव्य है कि वह गरीब और कमजोर तबकों की सुरक्षा करे, उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध कराए और डर या बल के जरिए लोगों को उनके घरों से निकालने की किसी भी कोशिश को रोके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्ता का इस्तेमाल लोगों को उजाड़ने के लिए नहीं, बल्कि उनकी रक्षा और कल्याण के लिए होना चाहिए।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, 22 दिसंबर को कर्नाटक सरकार ने 200 से ज्यादा घरों पर बुलडोज़र चलाया है, जिसकी वजह से 400 परिवार बेघर हो गए हैं। जिन इलाकों में ये बुलडोज़र एक्शन हुआ है, उनमें ज्यादातर मुसलमान रहते थे। यह बड़े पैमाने पर की गई बेदखली की कार्रवाई इसी हफ्ते की शुरुआत में हुई थी, जिसके बाद सत्तारूढ़ कांग्रेस और केरल की लेफ्ट फ्रंट यूनिट के बीच तीखी बयानबाज़ी शुरू हो गई थी। लेफ्ट फ्रंट ने कांग्रेस पर उत्तर भारत के कई राज्यों में देखे जा रहे "बुलडोज़र राज" को सामान्य बनाने का आरोप लगाया था। ये एक्शन बेंगलुरु के कोगिलु गांव की फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में हुआ था।

मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर के बेटे ने पुलिसकर्मी से की मारपीट!

बंगाल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले में जनता उन्नयन पार्टी (JUP) के प्रमुख और तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के बेटे गुलाम नबी आज़ाद को पुलिस ने हिरासत में लिया है। गुलाम नबी, जिन्हें सोहेल के नाम से भी जाना जाता है, पर अपने घर पर तैनात एक पुलिसकर्मी से मारपीट करने का गंभीर आरोप है। पुलिस के अनुसार, कांस्टेबल जुम्मा खान भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) के रूप में तैनात थे। शिकायत में बताया गया है कि कांस्टेबल जुम्मा खान ने कुछ दिनों की छुट्टी के लिए आवेदन किया था, इसी बात को लेकर विधायक के बेटे ने कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया। कांस्टेबल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुलाम नबी आज़ाद को रविवार को हिरासत में लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

11 वर्ष के मोहम्मद सिदान को मिला PM बाल पुरस्कार, दो बच्चों की बचाई थी जान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार (26 दिसंबर) को नई दिल्ली में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला, संस्कृति, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए बच्चों को दिया जाता है। इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पाने वाले बच्चों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुरस्कार जीतने वाले बच्चों ने अपने परिवारों, अपने समुदायों और पूरे देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने भरोसा जताया कि ये पुरस्कार देश भर के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि अजय राज और मोहम्मद सिदान

पी, जिन्होंने अपनी बहादुरी और समझदारी से दूसरों को बचाया, वे तारीफ के हकदार हैं। नौ साल की बेटी व्योमा प्रिया और ग्यारह साल के बहादुर बेटे कमलेश कुमार ने अपनी हिम्मत से दूसरों की जान बचाते हुए अपनी जान गंवा दी। वहीं, दस साल के श्रवण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध से जुड़े खतरों के बीच, अपने घर के पास बॉर्डर पर तैनात भारतीय सैनिकों को रेगुलर पानी, दूध और लस्सी पहुंचाई।

इनके याद में मनाई जाती है बाल दिवस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि लगभग 320 वर्ष पहले, सिख धर्म के दसवें गुरु (गुरु गोबिंद सिंह) और उनके चार बेटों ने सच और इंसाफ के लिए लड़ते हुए कुर्बानी दी थी। उन्होंने कहा कि दो सबसे छोटे साहिबजादों की बहादुरी को भारत और विदेश दोनों जगह सम्मान और इज्जत दी जाती है। प्रेसिडेंट ने कहा कि किसी देश की महानता तब दिखती है जब उसके बच्चे देशभक्ति और ऊंचे आदर्शों से भरे हों। उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि बच्चों ने बहादुरी, कला और संस्कृति, पर्यावरण, इनोवेशन, साइंस और टेक्नोलॉजी, समाज सेवा और खेल में अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

पुलिस पर एक तरफ कार्यवाही का दबाव

वर्तमान में पुलिस की छवि साफ नहीं मानी जाती है। जब भी कोई घटना होती है तो पुलिस पर एक तरफ एवं पक्षपाती कार्यवाही के आरोप लगाए जाते हैं। कानून व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस का निष्पक्ष बने रहना जरूरी होता है। पुलिस की कार्यवाहियां सत्ता, राजनेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार बदलती रहती हैं। हाल ही में जयपुर शहर के नज़दीक चौमू कस्बे में एक मस्जिद के सामने से पत्थर हटाने के नाम पर प्रशासन ने कार्यवाही करना शुरू किया था। प्रशासन और कस्बे के मुसलमानों के बीच गर्मा-गर्मी हुई। मुस्लिम पक्ष की ओर से दो-चार लोगों ने पुलिस पर पत्थर फैके गए पुलिस ने जवाब में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की और दर्जनों को गिरफ्तार किया गया। यहां तक तो मामला पुलिस के हाथ में था, लेकिन जैसे ही मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ प्रदेश सरकार पर हिंदू संगठनों का दबाव बनने लगा क्योंकि मामला मुसलमानों और मस्जिद से जुड़ा हुआ था। वर्तमान सरकार में मुसलमानों को गलती करने की कोई छूट नहीं है। घटना के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और गृह राज्य मंत्री बेढम के बयान आए कि अपराधियों और पत्थर फेंकने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। फिर क्या था पुलिस अधिकारी सरकार के ही नौकर होते हैं पुलिस अधिकारियों का यकायक व्यवहार बदल गया। दूसरे थानों से अतिरिक्त पुलिस फोर्स और आरएसी की अतिरिक्त फोर्स मंगाई गई। क्या था पुलिस ने मुस्लिम आबादी वाले मोहल्लों में जाकर मकानों के दरवाजे तोड़े, मकानों के अंदर महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं के साथ मारपीट की और उनको पकड़कर थाने ले जाकर बंद कर दिया। सैंकड़ों मुसलमानों को गिरफ्तार किया गया। जबकि पत्थर फेंकने वाले कौन थे और कहां गए? पुलिस पता नहीं लगा पाई! पुलिस की एक तरफा कार्यवाही सही नहीं कही जा सकती है। लेकिन सरकार के आदेश पर की जा रही कार्यवाही को कौन गलत बता सकता है? वैसे ही वर्तमान में मुस्लिम वर्ग कमज़ोर, अशिक्षित और आर्थिक तंगी का शिकार है और राजनीति में टूल की तरह काम में लिया जा रहा है। राजस्थान में फिर भी गनीमत है कि मारपीट और गिरफ्तारी तक मामला सीमित है, जबकि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात में आरोप लगाकर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं और बाद में बुलडोजर कार्यवाही करता है। पुलिस एक तरफा कार्यवाही नेताओं, मंत्रियों और सरकार के दबाव में करती है, क्योंकि पुलिस अधिकारी भी राजनीति के दबाव में काम करते हैं। कानून के अनुसार कार्यवाही करने और लोगों को न्याय देने के दिन अब दिखाई नहीं देते हैं। देश में सांप्रदायिकता का ज़हर इतना बढ़ता जा रहा है कि झगड़ा करने के लिए बस बहाना चाहिए। कई घटनाएं तो ऐसी सामने आई हैं जहां विपक्षी वर्ग की भी जरूरत नहीं समझी जाती है कृत्रिम घटना बनाकर विरोधी समुदाय पर कार्यवाही शुरू कर दी जाती है। देश में एक समुदाय की अजीब स्थिति बना दी गई है। मस्जिद, मदरसा और दरगाहों के मामलों में फंसा कर एक तरफा कार्यवाही की जा रही है। विकसित देशों में शिक्षा, रिसर्च और व्यापार पर ज़ोर दिया जाता है, जबकि भारत में बात-बात में सांप्रदायिकता नज़र आने लगी है। 25 दिसंबर को ईसाई समुदाय के फेस्टीवाल पर पत्थरबाजी की गई, तोड़फोड़ की गई और मारपीट की गई। दोषियों पर पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की, क्योंकि पुलिस पर कोई दबाव नहीं था। इस तरह कि कार्यवाहियां राजनीतिक मंशा का परिणाम है। बहुत कम पुलिस अधिकारी हैं जो एक तरफा और पक्षपातपूर्ण कार्यवाही पसंद करते हैं, लेकिन मजबूरी में उन्हें पुलिस बल का दुरुपयोग करना पड़ता है।

चर्चों और मस्जिदों पर हमला करने वाले देश को कहां ले जा रहे हैं

ऐसा लगता है कि देश में कानून का राज खतरे में है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी जी चर्च में प्रार्थनाओं में शामिल होते हैं, दूसरी तरफ गुंडे चर्चों और मस्जिदों पर हमले करते हैं। यह दोहरापन देश को कहां ले जाएगा?

ऐसा लगता है कि देश में कानून का राज खतरे में है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी जी चर्च में प्रार्थनाओं में शामिल होते हैं दूसरी तरफ गुंडे चर्चों और मस्जिदों पर हमले करते हैं। यह दोहरापन देश को कहां ले जाएगा? ऐसा लगता है कि देश में गुंडों का एक समूह तैयार हो गया है। जो गले में एक भगवा दुपट्टा डालकर अपने आप को कानून से ऊपर समझते हैं और इनको कुछ भी करने की खुली छूट मिली हुई है और पुलिस इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। ये उपद्रवी तत्व खुले आम खुद को हिंदूवादी संगठन के जिम्मेदार बताते हैं। कोई बजरंग दल का बताता है तो कोई हिंदू रक्षा दल का। पिछले कुछ सालों से ऐसे संगठनों की देश में बाढ़-सी आ गई है। ये उपद्रवी खुले आम चर्चों और मस्जिदों पर हमला करते हैं और हैरान करने वाली बात यह होती है कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब होता है और पुलिस तमाशाबीन बनी रहती है। इन लोगों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं होती और ना ही कोई कार्रवाई होती है। साफ लगता है इनको सत्ता का संरक्षण प्राप्त होता है। गुंडों के हौंसले इस कदर बुलंद हैं कि इस वर्ष क्रिसमस पर इन्होंने पूरे देश में चर्चों पर हमले किए। रायपुर और जबलपुर में तो चर्च में चल रही प्रार्थना के समय इन्होंने पुलिस की मौजूदगी में तोड़-फोड़ की। दिल्ली में तो कुछ बच्चों ने सांता की टोपी लगा रखी थी, वहां गुंडों ने सार्वजनिक रूप से रास्ते में उन बच्चों को धमकाया और भगा दिया। चर्चों के सामने ही हनुमान चालीसा पाठ हुए, वैसे ही उत्तराखंड और हिमाचल में लगातार मस्जिदों पर हमले हो रहे हैं। मुसलमानों को मस्जिदों में नमाज़ पढ़ने से रोका जा रहा है। देश में चल रही इस गुंडागर्दी को रोकने वाला कोई नहीं है, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी जी चर्च में जाकर कोरल सुनते हैं। सवाल यह है कि यह प्रधानमंत्री चाहें तो क्या इन घटनाओं को रोक नहीं सकते हैं? क्या वे अपनी सरकारों को इन गुंडों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश नहीं दे सकते हैं? क्योंकि यह घटनाएं ज्यादातर उन्हीं राज्यों में हो रही हैं, जहां उनकी पार्टी की सत्ता है। लेकिन लगता यह है कि यह सब दोहरापन, सोची समझी रणनीति के तहत चल रहा है। प्रधानमंत्री जी "सबका साथ-सबका विकास" की बात करेंगे और नीचे हिंदूवादी संगठन चर्चों और मस्जिदों पर हमले जारी रखें और जो हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना है जिसमें ईसाइयों और मुसलमानों को डरा कर रखना है। उनको दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना है, इस काम में ये गुंडे लगे रहेंगे। सवाल यह उठता है कि आखिर यह सब क्यों हो रहा है, तो इसके लिए हिंदूवादी संगठनों के शीर्ष नेताओं के बयानों से इस खेल को आसानी से समझा जा सकता है कि आखिर देश को किधर ले जाया जा रहा है। कुछ बयानों की बानगी देखिए अभी कुछ दिनों पहले संघ के संघ कार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि मुसलमानों को सूर्य नमस्कार और नदियों की पूजा करनी चाहिए। इनका यह बयान सीधा देश के संविधान को चुनौती देने वाला है। देश का संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी मर्जी का धर्म मानने, उसका प्रचार-प्रसार करने का अधिकार देता है और दत्तात्रेय होसबोले देश की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी को नदियों की पूजा करने का निर्देश दे रहे हैं और उनके इस संविधान विरोधी बयान पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। इसका परिणाम यह निकलता है कि उनकी विचारधारा से प्रभावित गुंडे चर्चों में घुसते हैं, खुलेआम छोटी-छोटी बच्चियों के सामने महिलाओं से खुलेआम पूछते हैं कि ईसा मसीह कैसे पैदा हुए थे? बच्चे कैसे पैदा होते हैं? ऐसे ढेरों वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहे हैं और गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। अब ज़रा कल्पना कीजिए कि अगर हिंदू धर्म के किसी आयोजन में ऐसे सवाल कोई ईसाई या मुस्लिम समुदाय के लोग पूछ लेते तो उसका क्या हाल होता? पुलिस सैंकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर लेती, उनकी पिटाई करते हुए सड़कों पर जुलुस निकालते और उनके घरों पर बुलडोजर चल गए होते। सवाल वही है कि यह देश को किधर ले जाना चाहते हैं? इनके इन उपद्रवियों के वीडियो पूरी दुनिया में चल रहे हैं। आज दुनिया में लगभग एक सौ तीस ईसाई देश हैं और सत्तावन मुस्लिम देश हैं और लगभग 4 करोड़ भारतीय इन देशों में काम करते हैं। अब ज़रा कल्पना कीजिए कि यदि अमेरिका के गौरे अमेरिकी अपने यहां हिंदू त्यौहारों पर ऐसी ही गुंडागर्दी शुरू कर दें तो क्या हाल होगा? अगर मुस्लिम देश अपने यहां दीपावली मनाने से इनकार कर दें तब क्या होगा? जो चार करोड़ भारतीय विदेश में काम कर रहे हैं उनकी रोज़ी-रोटी पर खतरा पैदा नहीं हो जाएगा। अभी हाल के दिनों में पहली बार ऐसा हुआ जब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के स्थानीय ईसाइयों ने अपने देश में हिंदुओं का विरोध करना शुरू कर दिया है। देश के प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी की विचारधारा से जुड़े लोगों को सोचना होगा कि इन असामाजिक तत्वों की हरकतों से देश की छवि खराब हो रही है। अब तक दुनिया भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र वाला देश मानती रही है। भारत को हमेशा एक धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र के रूप में मान्यता मिलती रही है। लेकिन ये गुंडे देश की छवि खराब कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी को अपने पड़ौस के देशों की तरफ देखना चाहिए। जो भी देश अपने देश के अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा करने में विफल हुआ है, वह देश बर्बाद हुआ है। आज पाकिस्तान एक विफल और बर्बाद देश है। ऐसी ही हालत श्रीलंका और बांग्लादेश की है। भारत एक ऐसा देश है, जिसके पास पूरी दुनिया की सबसे ज्यादा युवा शक्ति है। विश्व का सबसे बड़ा बाज़ार है, खूब संसाधन हैं। देश के पास एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए जो चाहिए वह सब है और इन सब को ये गुंडे बर्बाद कर रहे हैं। जो देश में नफरत फैला रहे हैं, इसलिए प्रधानमंत्री जी को पहल करके इन असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। देश में कानून का राज कायम करना चाहिए और देश के प्रत्येक नागरिक को यह भरोसा फिर से कायम करना चाहिए कि वह देश में सुरक्षित है। इसके नागरिक अधिकार सुरक्षित हैं। अगर समय रहते इन गुंडों को रोका नहीं गया तो देश की छवि को बहुत भारी नुकसान हो सकता है।

-डॉ. शहाबुद्दीन खान

शहीद अशफाक उल्ला खान: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी, हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक

अशफाक उल्ला खान भारत के स्वतंत्रता संग्राम के उन अमर क्रांतिकारियों में से एक हैं, जिन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बनकर अंग्रेजी शासन के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष किया। उनका बलिदान काकोरी कांड के माध्यम से आज भी प्रेरणा स्रोत है।

प्रारंभिक जीवन-

अशफाक उल्ला खान का जन्म 22 अक्टूबर 1900 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के शहीदगढ़ में एक पठान मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनके पिता मोहम्मद शफीक उल्ला खान एक पुलिस अधिकारी थे, जबकि माता का नाम मजरून निशा था। बचपन से ही वे साहसी और देशभक्त थे। वे घुड़सवारी, निशानेबाजी और तैराकी में निपुण थे तथा उर्दू कविता रचना भी करते थे। पढ़ाई के दौरान वे बंगाल के क्रांतिकारियों से प्रभावित हुए और सातवीं कक्षा में ही क्रांतिकारी विचारों से जुड़ गए। अशफाक ने स्थानीय स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, लेकिन ब्रिटिश शिक्षा व्यवस्था से मोहभंग होने के कारण उच्च शिक्षा छोड़ दी। उनका परिवार सरकारी नौकरियों से जुड़ा था, फिर भी वे राष्ट्रभक्ति के लिए सब कुछ त्यागने को तैयार थे। गांधीजी के असहयोग आंदोलन से प्रारंभिक प्रभावित हुए और स्वराज पार्टी के प्रचार में सक्रिय रहे।

क्रांतिकारी यात्रा की शुरुआत-

चौरी-चौरा कांड (1922) के बाद गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लेने से अशफाक को गहरा आघात लगा। वे अहिंसक मार्ग से असंतुष्ट होकर सशस्त्र क्रांति की राह चुन ली। 1924 में राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में उन्होंने हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह संगठन ब्रिटिश राज के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह पर केंद्रित था। वे मुस्लिम युवकों को क्रांतिकारी दल में शामिल करने के लिए विशेष प्रयास करते थे, जिससे हिंदू-मुस्लिम एकता मजबूत हुई। उनके कविताओं में देशभक्ति की भावना झलकती थी। वे नियमित रूप से कुरान पाठ करते और रमजान में रोजा रखते थे, जो उनके धार्मिक आग्रह को दर्शाता है। काकोरी ट्रेन डकैती HRA को हथियार खरीदने के लिए धन की आवश्यकता थी। 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन पर सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन को रोका गया। राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी, चंद्रशेखर आजाद सहित 10 क्रांतिकारियों ने इस डकैती को अंजाम दिया। ट्रेन के गार्ड के डिब्बे से सरकारी खजाना लूटा गया, जिसमें लगभग 4,000 रुपये थे। यह धन क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए उपयोग किया गया। अशफाक ने ट्रेन डकैती में सक्रिय भूमिका निभाई। वे पहरे की व्यवस्था करते रहे। ब्रिटिश पुलिस ने गुप्तचरों की मदद से षड्यंत्र का पता लगा लिया। सभी सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अशफाक भाग निकले और कुछ समय तक भूमिगत रहे। उन्होंने पेशावर, नेपाल और ब्रिटिश अफसरों को चुनौती देते हुए पत्र लिखे। अंततः वे पकड़े गए।

मुकदमा और फाँसी-

काकोरी षड्यंत्र मामले में लखनऊ की विशेष अदालत में मुकदमा चला। ब्रिटिश न्यायाधीशों ने बिस्मिल, अशफाक, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को फाँसी की सजा सुनाई। अन्य को कठोर कारावास मिला। मुकदमे के दौरान अशफाक ने अंग्रेज अधिकारियों से कहा, "हिंदुस्तान आजाद होकर रहेगा, फूट डालो राज करो की नीति सफल नहीं होगी।" 19 दिसंबर 1927 को फैजाबाद जेल में अशफाक उल्ला खान को फाँसी दे दी गई। वे मात्र 27 वर्ष के थे। वे ऐसे मुस्लिम क्रांतिकारी थे जिन्हें ट्रेन डकैती षड्यंत्र के मामले में फाँसी हुई। जेल में रहते वे कुरान पाठ और रोजा रखते रहे। उनका अंतिम संदेश था, "मेरा खून देश की आजादी की आहुति है।

विरासत और सम्मान-

अशफाक उल्ला खान हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक बने। उनकी शहादत ने युवाओं को प्रेरित किया। 1970 में भारत सरकार ने उनकी स्मृति में डाक टिकट जारी किया। शाहजहांपुर में उनकी समाधि और स्मारक स्थापित हैं। काकोरी शहीद स्मारक उनके बलिदान की याद दिलाता है। उनकी कविताएँ आज भी पढ़ी जाती हैं। वे सिद्धार्थनगर जिले के मलिहाबाद में जन्मे थे। स्वतंत्र भारत में उन्हें राष्ट्रकवि का दर्जा मिला। अशफाक का जीवन कठोर परिश्रम, दृढ़ता और उदारता का उदाहरण है। उनका योगदान स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अंकित है।

कमज़ोरों की मदद: अल्लाह की मदद का ज़रिया

इस्लाम एक रहमत और हमदर्दी का मज़हब है। इसने समाज के कमज़ोर और बेसहारा तबक़ात, ख़ास तौर पर यतीमों और बेवाओं के हुक़ूक़ और उनकी देखभाल को बहुत ज़्यादा अहमियत दी है। क़ुरान-ए-पाक में बार-बार यतीमों के साथ नरमी, उनके माल की हिफ़ाज़त और उनके साथ इंसाफ़ करने का हुक्म आया है। अल्लाह तआला फ़रमाता है, "पस तुम यतीम पर सख़्ती न करो।" (सूरह अद-दुहा: 9)

नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम), जो ख़ुद एक यतीम थे, उन्होंने यतीम की कफ़ालत (देखभाल) करने वाले को जन्नत में अपने क़रीब होने की बशारत (शुभ सूचना) दी है। आपने अपनी दो उँगलियों को मिलाकर फ़रमाया, "मैं और यतीम की कफ़ालत करने वाला जन्नत में इस तरह (क़रीब) होंगे।" (सहीह बुख़ारी)

इसी तरह बेवाओं की मदद और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने को अल्लाह की राह में जिहाद करने और दिन भर रोज़ा रखने और रात भर इबादत करने के बराबर क़रार दिया गया है। यह सिर्फ़ एक शख़्स की नहीं, बल्कि पूरे इस्लामी समाज की ज़िम्मेदारी है कि वह अपने अंदर मौजूद यतीमों और बेवाओं को अकेला और बेसहारा न छोड़े। उनकी तालीम, तरबियत, सेहत और माली ज़रूरतों का ख़याल रखना एक बेहतरीन इबादत और अल्लाह की रज़ा हासिल करने का सबसे आसान तरीक़ा है। जो समाज अपने कमज़ोरों का ख़याल रखता है, अल्लाह उस समाज पर अपनी रहमतें नाज़िल फ़रमाता है।

कुरान दया, इन्साफ और मोहब्बत की शिक्षा देता है

समकालीन भारतीय सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में, मुस्लिम समुदाय स्वयं को पहचान, हाशिए पर होने, आर्थिक पिछड़ेपन, सामाजिक कलह और बहुलवाद के लिए खतरों के एक जटिल जाल में फँसा हुआ पाता है। चुनौतियाँ बहुआयामी हैं, जिनमें सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, आर्थिक अधिकारों से वंचित होना और शैक्षिक पिछड़ापन से लेकर मीडिया द्वारा गलत प्रस्तुति और वैचारिक दुरुपयोग तक शामिल हैं। फिर भी, इन कठिनाइयों के बीच, कुरान पाक एक स्पष्ट शिक्षा प्रस्तुत करता है, जिसे यदि ईमानदारी से अपनाया जाए, तो यह मुसलमानों को समृद्धि की ओर ले जाने वाले एक दिशासूचक के रूप में कार्य कर सकता है और साथ ही राष्ट्रीय विकास में भी योगदान दे सकता है। दया (रहमा), न्याय (अदल) और करुणा (एहसान) के मूलभूत विषय इस्लाम में गौण गुण नहीं हैं, ये इसका सार हैं। ये मूल्य न केवल ईश्वरीय गुण हैं, बल्कि विश्वासियों के लिए नैतिक अनिवार्यताएँ भी हैं, जो व्यक्तिगत आचरण और सामूहिक कार्य दोनों का मार्गदर्शन करती हैं। पवित्र कुरान बार-बार पुष्टि करता है कि दया सृष्टि के साथ ईश्वरीय जुड़ाव का सर्वव्यापी सिद्धांत है। कुरान ने दोस्तों और दुश्मनों दोनों के साथ अपने व्यवहार में इस सिद्धांत का उदाहरण दिया। मक्का की विजय के दौरान कुरैश के प्रति उनकी क्षमा, अनाथों और हाशिए पर पड़े लोगों के प्रति उनकी करुणा, और मदीना में उनका समावेशी शासन नैतिक नेतृत्व के स्थायी मॉडल हैं। ये उदाहरण न केवल ऐतिहासिक अनुस्मारक के रूप में बल्कि आधुनिक समय में मुसलमानों के आचरण के लिए व्यावहारिक दिशानिर्देश के रूप में भी काम करते हैं। इन आयतों की प्रासंगिकता को बहुलवादी भारत में रहने वाले मुसलमानों को समझना चाहिए। मुसलमानों के लिए यह आवश्यक है यह केवल कानूनी निर्णय तक सीमित नहीं है, बल्कि एक समग्र सिद्धांत है जिसमें सामाजिक समता, निष्पक्षता और नैतिक अखंडता शामिल है। पूर्वाग्रह, सामाजिक बहिष्कार और हानि का भय उन्हें सार्वजनिक भलाई करने से नहीं रोकना चाहिए, भले ही यह उन्हें बहिष्कृत कर दे। कुरान में व्यक्त सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ करुणा है, जो दया और न्याय के बीच भावनात्मक और नैतिक सेतु है। करुणा में दया को कार्यान्वित करते हुए न्याय को मानवीय बनाने का एक सहज गुण है। कुरान कहता है, "जो लोग धरती पर विनम्रता से चलते हैं और जब अज्ञानी उन्हें संबोधित करते हैं, तो वे शांति के शब्दों के साथ जवाब देते हैं" (25:63)। यह आयत जटिल सामाजिक परिदृश्य में मार्गदर्शन के लिए एक नैतिक दिशासूचक प्रदान करती है। करुणा की तुलना कमजोरी से नहीं की जा सकती, बल्कि यह शक्ति, सहानुभूति और मध्यम मार्ग है, जो मनुष्य को गलत और सही को समझने में सक्षम बनाता है। यह वह शक्ति है जो विरोधियों को सहयोगियों में और संघर्ष को सह-अस्तित्व में बदल देती है। आज भारतीय मुसलमान केवल बाहरी ही नहीं, बल्कि आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो ज़्यादा चिंताजनक हैं। शैक्षिक मानकों का ह्रास, नैतिक मूल्यों का ह्रास और सांप्रदायिक एकता का विखंडन गंभीर चिंताएँ हैं। कुरान पूछता है, "क्या जो जानते हैं वे उन लोगों के बराबर हैं जो नहीं जानते?" यह प्रश्न ज्ञान के मूल्य और बौद्धिक जुड़ाव की अनिवार्यता को रेखांकित करता है। इसलिए शिक्षा को व्यक्तिगत उन्नति के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का एक साधन भी माना जाता है। कुरान इन तीनों गुणों को एकता के व्यापक दायरे में समाहित करता है, जिसे समाज को एक सूत्र में बाँधने वाली अनिवार्यता के रूप में परिभाषित किया गया है। एक एकजुट समुदाय अपने अधिकारों की वकालत करने, राष्ट्रीय विकास में योगदान देने और विभाजनकारी आख्यानों का प्रतिकार करने के लिए बेहतर स्थिति में होता है।

"बुराई को बेहतरी से दूर करो; फिर जो तुम्हारा दुश्मन था, वह तुम्हारे घनिष्ठ मित्र के समान निकट हो जाएगा।" यह आयत नैतिक आचरण की परिवर्तनकारी शक्ति को समाहित करती है, जो सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में सहभागिता, संवाद और नैतिक उत्कृष्टता का आह्वान करती है। लक्ष्य केवल अधिकारों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ न्याय, दया और करुणा आदर्श हों।

ज़िगर मुरादाबादी और नाते रसूल स.अ.व.

बक़ौल रशीद अहमद सिद्दीकी "बीसवीं सदी में गज़ल गोई के हज़रत फ़ानी, असगर और ऐसे मुस्तक़ीम (मज़बूत) सुतून थे जिन पर जदीद गज़ल की इमारत कायम है जो बड़ी खूबसूरत है। ज़िगर मुरादाबादी अपनी सीरत में शख्सियत के एतबार से अपनी कलम से भी ज्यादा दिल आवेज़ और क़ाबिले एहतराम थे"। जिगर साहब अपनी जिंदगी में दुख्तरे रंज (शराब) के बड़े शौकीन थे। आप हर वक़्त उसके सुरूर में डूबे रहते, उन पर शराब का कितना ही गलबा क्यों न होता उनसे कोई ऐसी हरकत सरज़द न होती जिसको खिलाफ़े तहजीब माना जाता हो और न ज़बान से गैर मोहज़्ज़ब अल्फाज अदा होते, न वोह कभी लौटते- पोटते और न शोर-शराबा मचाते नहीं पाए गए थे। मुझे तो अक्सर ऐसा महसूस हुआ जैसे केफ़ो सुरूर बक्शने के बजाय शराब उनको इन्तेहाई दर्द और तकलीफ में मुब्तिला कर देती हो। उन पर थोड़ी शराब भी बहुत असर करती थी। (मज़मून कुल्लियाते जिगर रशीद अहमद सिद्दीकी)। एक बार ज़िगर साहब को एक नातिया मुशायरे का दावतनामा मोसूल हुआ। ज़िगर साहब वैसे तो बड़े मज़हब परस्त थे, मगर शराबनोशी के बाइस लोग समझते थे कि इनका मज़हब से कोई सरोकार नहीं है। ज़िगर साहब ने जब जाने का इरादा किया तो सोचने लगे कि मैं रिंद खाना खराब हरकत मस्तिये शराब में डूबा हुआ और कहां नात व मिदहते रसूल, आपने फौरन शराब से तौबा की, गुस्ल किया और पाक-साफ होकर नाते नबी लिखने को क़लम उठाया और एक नात मुकम्मल की। जब मुशायरे का दिन आया तो ज़िगर साहब भी मुशायरे में नाते नबी पढ़ने के लिए तशरीफ़ ले गए। मुशायरे में जब शायरों ने ज़िगर साहब को देखा तो सब सकते में आ गए। सोचने कि ज़िगर साहब और नात उनके कुछ समझ नहीं आ रहा था कि यह रिंदी और मस्ती का शायर किस तरह नाते रसूल लिख सकता है, क्योंकि यह तो हर वक़्त शराब में डूबे रहते हैं। उन्हें क्या मालूम कि ज़िगर जितना रिंद है उससे कहीं ज्यादा आशिके रसूल है और वो इश्के रसूल में गर्क होकर नाते रसूल स.अ.व. लिख सकता है। ज़िगर साहब मिजाज शवास भी थे, आपने उन शायरों के मिज़ाज़ और ज़हनी कैफियत को जानकर कहा "हज़रात नात तो सुन लीजिए फिर फैसला कीजिए", अपने पुरनम होकर अपने पुरजोश अंदाज में नात पढ़ना शुरू किया वो नात इस तरह है-

एक रिंद है और उम्मते सुल्ताने मदीना
हां कोई नजरे रहमत सुल्ताने मदीना।

तू सुबह अज़ल आइनाए हुस्ने अज़ल भी,
ए सल्ले अला सूरते सुल्ताने मदीना।

ए खाके मदीना तेरी गलियों के तसददुक
तू खुल्द है तू जन्नत सुल्ताने मदीना।

इस तरह कि हर सांस हो मसरूफ़े इबादत,
देखूं दर दौलते सुल्ताने मदीना।

दामने नज़र तंग व फ़रावानीय जलवा,
ए तलअते हक़ तलअते सुल्ताने मदीना।

एक नंगे गमे इश्क़ भी है मुंतज़िरे दीद
सदके तेरे ए सुल्ताने मदीना।

कोनेन का ग़म, यादें खुदा दर्दे शफ़ाअत
दौलत है यही दौलते सुल्ताने मदीना।

ए आलमे तक़्वी तेरे इसरारे हक़ीक़त,
मिन जुमला एक आयते सुल्ताने मदीना।

ज़ाहिर में ग़रीबुल गुरबा, फिर भी यह आलम,
शाहों से सवा सिलवते सुल्ताने मदीना।

ए जांबलब आयदल, होशियार खबरदार,
वोह सामने हैं हज़रते सुल्ताने मदीना।

कुछ हमको नहीं काम "ज़िगर" और किसी से,
काफी है बस एक निसबते सुल्ताने मदीना॥

तसददुक=सदक़े, फरावानी= बहुत ज्यादा, तलअत=दीदार, नंगे- शर्म वाला, सितवत= दबदबा
आसी=गुनाहगार, जांबलब-मरने के करीब, अयदह=आया हुआ, तकवीं=पैदा करना, वजूद में लाना

-हबीबुल्लाह एडवोकेट,
जवाहर नगर, जयपुर

कौन हैं आरान पायलट, जिन्होंने अरावली को बचाने जयपुर में किया पैदल मार्च

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एनएसयूआई की ओर से शुक्रवार को अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ पैदल मार्च निकाला गया। जालूपुरा से शुरू हुआ यह मार्च गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे तक पहुंचा। यहां चौराहे पर कुछ समय नारेबाजी करने के बाद सचिन पायलट सहित तमाम नेता और कार्यकर्ता लौट गए। इस मार्च में सचिन पायलट के साथ उनका बेटा आरान पायलट भी नजर आया। ऐसा पहले बार हुआ है जब किसी राजनीतिक कार्यक्रम या धरना-प्रदर्शन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट अपने बेटे आरान पायलट के साथ शामिल हुए हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के दो बेटे हैं-

सचिन पायलट और सारा पायलट के दो बेटे हैं, आरान और विहान पायलट। आम तौर पर सार्वजनिक कार्यक्रमों में दोनों बेटे बहुत कम नजर आते हैं। वर्तमान में आरान और विहान दोनों ही अपनी पढ़ाई में व्यस्त हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि सियासी कार्यक्रम में पायलट अपने बड़े बेटे को लेकर पहुंचे हैं।

सचिन पायलट ने अरावली को बताया 'सुरक्षा कवच'-

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अरावली पर्वतमाला को उत्तर भारत के लिए सुरक्षा कवच बताते हुए उसके संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अरावली न केवल रेगिस्तान के फैलाव को रोकती है, बल्कि मानसून, जल, खेती, पशु और पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद अहम है। जयपुर में आयोजित पैदल मार्च में सचिन पायलट ने समर्थकों का अभिवादन किया, जहां उनके साथ विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, मनीष यादव और रामनिवास गावड़िया भी मौजूद रहे।

लखारा शीशगर समाज की प्रतिभाओं को मिला सम्मान

-जयपुर के कर्बला स्थित हज हाउस में हुआ भव्य समारोह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के रामगढ़ मोड़ स्थित कर्बला हज हाउस में रविवार को राजस्थान लखारा शीशगर समाज की ओर से भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में देशभर से समाज के प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिनमें महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने समारोह को और भी खास बना दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की उन प्रतिभाओं को सम्मानित करना रहा, जिन्होंने शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल कर समाज का नाम रोशन किया है। मंच से जब प्रतिभाशाली युवाओं को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान किए गए, तो पूरा सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। इस अवसर पर लखारा शीशगर समाज के अध्यक्ष अनवर शीशगर ने कहा कि समाज हर वर्ष प्रतिभा सम्मान

समारोह का आयोजन करता है और समाजहित में निरंतर विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाज द्वारा सामूहिक विवाह जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक आयोजनों को भी सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। अनवर शीशगर ने अपने संबोधन में जोर देते हुए कहा, "समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार शिक्षा है। जब बेटा-बेटी शिक्षित होंगे, तभी समाज आगे बढ़ेगा। इसी सोच के साथ आज समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया है, ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन सकें।" समारोह में मौजूद वक्ताओं ने भी शिक्षा को सामाजिक बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम बताया और समाज के ऐसे आयोजनों की सराहना की। कार्यक्रम ने न सिर्फ प्रतिभाओं को सम्मान दिया, बल्कि समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का संदेश भी दिया।

मदन राठौड़ की ओर से ख्वाजा साहब के दर पर चादर एवं फूल पेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ की ओर से हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आले के 814 उर्स के मुबारक मौके पर मुनव्वर खान पूर्व उपाध्यक्ष अजमेर दरगाह कमेटी ने चादर पेश की और मुल्क में और राजस्थान में अमन चैन भाईचारे के लिए दुआ की। चादर सैयद अफशान चिश्ती की वकालत में पेश की साथ में हाजी मोहम्मद रफी बैतुल्लाह नदीम सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पर्व मनाया

-श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंगा राजापार्क गुरुद्वारा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के राजापार्क स्थित गुरुद्वारे में गुरु गोबिंद सिंह जी का 359 वा प्रकाश पर्व मनाया गया, संपूर्ण देश और दुनिया में खालसा पंथ के संस्थापक, दशमेश पिता, महान योद्धा-संत गुरु गोबिंद सिंह जी का 359वाँ प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना साहिब में हुआ। वे सिख धर्म के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने अपने जीवन को धर्म, मानवता, न्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष के लिए समर्पित कर दिया। आज के पावन अवसर पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा, राजापार्क में विशेष गुरमत समागम का आयोजन किया गया। सुबह 5 बजे से 6:30 बजे तक नितनेम का पाठ हुआ, इसके पश्चात 7:30 बजे से आसा की वार का मधुर कीर्तन चला। सचखंड श्री हरमंदिर साहिब से आए रागी जत्थों द्वारा गुरुवाणी का कीर्तन संगत को निहाल कर रहा है। गुरु गोबिंद

सिंह जी ने 1699 में खालसा पंथ की स्थापना कर समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने समानता, साहस और आत्मसम्मान का संदेश दिया। उनका प्रसिद्ध उद्घोष— "सवा लाख से एक लड़ाऊँ, तभी गोबिंद सिंह नाम कहाऊँ" आज भी हर सिख के हृदय में जोश और बलिदान की भावना भर देता है। गुरु साहिब ने अपने चारों साहिबजादों का बलिदान देकर यह सिद्ध कर दिया कि धर्म और इंसाफ की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करना ही सच्ची सेवा है। इस अवसर पर गुरुद्वारे में लंगर सेवा का आयोजन भी किया गया, जहाँ जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर सभी ने एक साथ पंक्तिबद्ध होकर गुरु का लंगर ग्रहण किया। प्रकाश पर्व के मौके पर संगत ने वाहेगुरु के जयकारों के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी के बताए मार्ग पर चलने, सत्य और न्याय के लिए खड़े रहने तथा मानवता की सेवा का संकल्प लिया। अंत में अरदास के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया और समस्त विश्व में शांति, भाईचारे और सद्भावना की कामना की गई।

चौमू मस्जिद प्रकरण में बेकसूर लोगों की गिरफ्तारियाँ बंद करे प्रशासन

चौमू (रॉयल पत्रिका)। गुरुवार को चौमू में हुए विवाद को लेकर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI) ने गहरी चिंता व्यक्त की है और प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। SDPI के जिला अध्यक्ष ने बयान जारी करते हुए कहा कि चौमू की घटना निस्संदेह दुःखद है, लेकिन जब मुस्लिम समाज के जिम्मेदार व बुद्धिजीवी लोगों ने प्रशासन के साथ बातचीत कर विवाद को समाप्त करने की पहल कर दी थी और आपसी सहमति बन गई थी, तब स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा रात के समय घरों से लोगों को उठाकर हिरासत में लेना पूरी तरह अनुचित है। ऐसी कार्रवाई से आम जनता में पुलिस और प्रशासन के प्रति अविश्वास पैदा हो रहा है। स्थानीय महिलाओं द्वारा लगाए गए आरोप अत्यंत गंभीर हैं। महिलाओं का कहना है कि 26 दिसम्बर 2025 (शुक्रवार) को लगभग रात 2 बजे भारी पुलिस बल, जिसमें कई लोग बिना वर्दी के थे, घरों में घुसे और सोते हुए लोगों को जबरन उठा ले गये। महिलाओं का आरोप है कि इस दौरान पुरुष पुलिसकर्मियों ने महिलाओं के साथ हाथापाई की, अभद्र व्यवहार किया और अपशब्दों का प्रयोग किया। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि महिलाओं की गरिमा और अधिकारों पर सीधा

हमला है। यह भी आरोप सामने आए हैं कि गुरुवार को जिन लोगों ने कथित रूप से पुलिस पर पथराव किया, उन्हें गिरफ्तार करने के बजाय पुलिस ने कई निर्दोष और सोते हुए लोगों को हिरासत में लिया, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया, जयपुर जिला, महिलाओं के साथ किए गए इस दुर्व्यवहार और बेकसूर लोगों की गिरफ्तारी का कड़ा विरोध करती है। SDPI प्रशासन से मांग करती है कि केवल वास्तविक दोषियों को ही चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। जिन निर्दोष लोगों को हिरासत में लिया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट और अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ताकि चौमू क्षेत्र में अमन, शांति और आपसी सौहार्द कायम रह सके।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 100वां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाकपा ने अपना 100वां स्थापना दिवस पार्टी मुख्यालय पर झंडारोहण कर मनाया गया।पार्टी के वरिष्ठ नेता डी के छंगाणी ने झंडारोहण करते हुए कहा कि स्थापना के बाद से ही पार्टी देश में मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाती रही है।देश की आज़ादी के लिए संघर्ष के साथ ही श्रमिकों,किसानों व समाज के सभी तबकों के लिए सरकारों पर दबाव डलवा कर क़ानून बनवाए।आज देश के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं जिनके लिए संघर्ष करने की आवश्यकता है। समारोह को पार्टी के राज्य सचिव नरेन्द्र आचार्य,राष्ट्रीय परिषद के सदस्य

कुणाल रावत,सुनीता चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में तारासिंह सिद्धु,बीएम सुण्डा,केशव व्यास, जयपुर शहर सचिव नईमुद्दीन आकिल,विनोद राय नसीम खान अयाज खान कलाम खान आसिफ खान एडवोकेट फारुक खान कामरेड मुद्दबीर खान सहित कई जनसंगठनों के नेता उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन पार्टी के ज़िला सचिव रमेश शर्मा ने किया।

परकोटे में ई-रिक्शा प्रतिबंध से सैकड़ों परिवारों में रोज़ी-रोटी की चिंता बढ़ी

-ई-रिक्शा चालकों का दर्द—काम बंद तो घर कैसे चले?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आमेर और परकोटे में ई-रिक्शा के संचालन पर रोक (बैन) के फैसले के खिलाफ ई-रिक्शा चालकों का गुस्सा फूट पड़ा। 10 जनवरी तक लगाए गए इस प्रतिबंध से नाराज सैकड़ों चालक आमेर रोड पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। चालकों का कहना है कि प्रशासन के इस फैसले से उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर काम बंद रहा तो वे अपने परिवार का गुजारा कैसे करेंगे? "पेट की आग" और परिवार की चिंता को लेकर चालकों ने अपनी व्यथा

सुनाई। विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर तनाव की स्थिति बन गई थी, लेकिन एसीपी (ACP) सुरेंद्र सिंह राणावत ने मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रदर्शनकारी चालकों से बात की और समझाइश कर मामला शांत कराया, जिससे बड़ा टकराव टल गया। फिलहाल पुलिस ने चालकों को समझाकर रास्ता खुलवा दिया है, लेकिन चालकों में रोजगार छिनने का डर बना हुआ है।

दोषियों को सज़ा हो और निर्दोषों को परेशान न किया जाए- मुहम्मद नाज़िमुद्दीन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने कहा है कि चौमूं में हुई कल पत्थरबाज़ी की घटना अत्यंत निंदनीय और चिंताजनक है। जब पुलिस व समुदाय के बीच विवादित स्थान को लेकर सहमति हो गई थी और सब कुछ शांतिपूर्ण तरीक़े से हो रहा था तो किसने माहौल ख़राब किया? पुलिस इसकी सही से जांच करे और दोषियों को कड़ी सज़ा दे, क्योंकि जो भी क़ानून तोड़े उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जांच की आड़ में बेगुनाह और निर्दोषों को फंसाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने शहर के गणमान्य नागरिक व प्रशासन से अपील की कि दोनों पक्षों में आपसी बातचीत और भाईचारे के साथ मामले का हल निकालें और चौमूं में जल्दी शांति बहाल करने का प्रयत्न करें।

जम्मू-कश्मीर में बड़े आंदोलन का अल्टिमेटम, नजरबंद कर दिए गए महबूबा मुफ्ती समेत कई नेता

जम्मू। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। प्रशासन ने यह कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किए जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे के समाधान के लिए एक समिति गठित किए जाने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित

मार्च में शामिल होने की मंशा जताई थी। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पारा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेताओं को घर में नजरबंद कर दिया गया है ताकि वे विरोध कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता न प्रकट कर सकें। मेहदी ने शनिवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि उनके आवास के बाहर सशस्त्र पुलिस तैनात की गई है। उन्होंने सवाल किया, "क्या यह छात्रों के समर्थन में हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन को दबाने के लिए की गई एक पूर्व-नियोजित कार्रवाई है?" पारा ने इसी के साथ जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला सरकार पर आरक्षण मुद्दे को हल करने की कोई मंशा नहीं दिखाने का आरोप लगाया और कहा कि मौजूदा आरक्षण नीति अस्तित्व का मामला बन गई है।

ऑटो चालकों पर मनमानी कार्यवाही करने का आरोप

-जयपुर गुलाबी नगर ऑटो चालक मजदूर यूनियन की आंदोलन करने की चेतावनी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हर साल की भांति इस साल भी जयपुर में भारी संख्या में आ रहे पर्यटकों को देखते हुए परकोटे में ई-रिक्शाओं का संचालन बंद किया गया है। जयपुर गुलाबी नगर ऑटो चालक मजदूर यूनियन के अनुसार ऐसे में यातायात विभाग ने आनन-फानन में ऑटो चालकों पर कार्यवाही करना शुरू कर दिया है और करीब 250 ऑटो को जब्त किया गया। इसके अलावा करीब 100 गाड़ियों के चालान किये गये। जिसकी यूनियन को कोई सूचना नहीं दी गई। परिवहन विभाग की लापरवाही के कारण गाड़ियों के कागजात पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में यूनियन ने नये परमिटों की भी मांग की है। यूनियन का कहना है कि गाड़ियों की फिटनेस सेन्टरों को निजी हाथों में दे दिया गया। जिसके कारण फिटनेस सेंटर मनमाने ढंग से फिटनेस चार्ज वसूल कर रहे हैं। ऐसा ही हाल इंश्योरेन्स कम्पनी का है। इंश्योरेन्स भी काफी महंगा कर दिया गया है। एक गरीब ऑटो चालक इतना महंगा इंश्योरेन्स एवं फिटनेस का पैसा कहां से लाएगा। नया फिटनेस सेंटर भी जयपुर से 40 किलोमीटर दूर बना दिये गये हैं। जबकि पूर्व में जगतपुरा में फिटनेस सेंटर थे जो नजदीक थे और सभी चालक वहां आसानी से फिटनेस करवा लेते थे। परिवहन विभाग की इस कार्यवाही को लेकर समस्त ऑटो चालकों में भारी आक्रोश है, जिसका हमारी यूनियन इस तरह की कार्यवाही का विरोध करती है। यदि इस तरह की कार्यवाही को नहीं रोका गया तो मजबूरन में यूनियन को आन्दोलन करना पड़ेगा। परिवहन विभाग से गुज़ारिश है कि वे जल्द ही रिवाईज मीटर किराया तय कर नई सूचि जारी की जाये एवं तमाम प्री-पेड सूचि (बंद पड़े), को सुचारू रूप से चालू किया जावे। ताकि कोई चालक मनमाना किराया न ले सके तथा आमजन को राहत मिले।

अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर अधिकारी व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। जयपुर जिले में आमजन को बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार शनिवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। उपखण्ड अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, तहसीलदारों सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं तथा विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई एवं अन्य

मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक भी प्राप्त किया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अधिकारियों ने श्री अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, बैठने की सुविधा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लाभार्थियों से सीधा संवाद कर भोजन की गुणवत्ता एवं सेवाओं को लेकर उनकी राय भी जानी गई तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों ने विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत जारी कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण उपरांत सभी अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रारूप में अपनी निरीक्षण रिपोर्ट जिला कलक्टर को प्रस्तुत की गई है, जिसके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

'नरेगा आखर' जिला प्रशासन जयपुर का विनम्र प्रयास प्रतिभागियों को वीबी-जी-राम-जी की जानकारी दी गई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी नरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग, साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग तथा प्रारंभिक शिक्षा विभाग के सहयोग से निरक्षर नरेगा श्रमिको एवं अन्य ग्रामीणो को साक्षरता और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए जिले मे 'नरेगा आखर' साक्षरता से सशक्तिकरण एक रचनात्मक कार्यक्रम का प्रारंभ माह जुलाई 2025 में जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की प्रेरणा से किया गया है। इस अभियान के तहत शामिल निरक्षर श्रमिको का 21 सितम्बर 2025 को एसेसमेन्ट टेस्ट आयोजित किया गया था। उक्त टेस्ट मे जिले के 46219 निरक्षर नरेगा श्रमिको द्वारा परीक्षा दी गई तथा जिसमे से 41290 श्रमिक उत्तीर्ण हुए। इसी क्रम में उक्त अभियान के तहत एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास श्रमिको के लिए उच्च अध्ययन तथा वित्तीय एवं डिजीटल साक्षरता के संबंध मे शुक्रवार को जिला परिषद जयपुर के सभागार में कार्यशाला/प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियो

को "वीबी-जी-राम-जी" की प्रारंभिक जानकारी भी प्रदान गई। इसके अतिरिक्त 'नरेगा आखर' अभियान के तहत सितम्बर 2025 में आयोजित किये गये एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास प्रत्येक ब्लॉक से 02 चयनित महिला श्रमिक जो उच्च, अध्ययन की इच्छुक हैं, उन्हे अंकतालिका का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रजमोहन गुप्ता, अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रा. वि.), जयपुर द्वारा की गई। जिला परियोजना प्रबंधक राजिविका, जयपुर अनुपमा सक्सेना द्वारा भी कार्यक्रम मे भाग लेकर महिला श्रमिको एवं मेटो को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। 'नरेगा आखर' अभियान के तहत द्वितीय चरण जनवरी 2026 मे प्रारंभ होगा। इस क्रम मे आगामी सप्ताह मे (दिनांक 30 दिसम्बर से 3 जनवरी तक) पंचायत समिति स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे तथा दिनांक 5 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि मे नरेगा श्रमिको को वित्तीय एवं डिजीटल साक्षरता प्रदान की जाएगी। इसी क्रम मे माह सितम्बर 2025 मे आयोजित किए गये एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास नरेगा महिला श्रमिक, जो उच्च अध्ययन (10वी पास) करने की इच्छुक हो, उनका, साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग के माध्यम से सर्वे किया जाकर उच्च अध्ययन भी प्रारंभ करवाया जाएगा।

अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा का प्रतिभा सम्मान समारोह व अंसारी दर्पण 2026 का विमोचन सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा का अंसारी प्रतिभा सम्मान समारोह व रिज़वानुद्दीन अंसारी द्वारा संपादित अंसारी दर्पण-2026 का इजरा (विमोचन) प्रोग्राम दिनांक 28 दिसम्बर 2025 को पी ए एस गार्डन कोटा में आयोजित किया गया । प्रोग्राम में विभिन्न ज़िलों से कक्षा 10 के 39 छात्र, कक्षा 12 के 63 छात्र, उच्च शिक्षा प्राप्त 25 छात्र, खेलकूद तथा समाज सेवा के लिए 19, राजकीय नई नियुक्ति पाने वाले 9 तथा Ph.D , गोल्ड मेडलिस्ट, डाक्टर्स, इंजीनियर्स,वैज्ञानिक, खिलाड़ी, केलिग्राफर, सरकारी नियुक्तियां प्राप्त तथा विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य करने वाली 200 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सोसाइटी के जनरल सेक्रेट्री ज़हूर अहमद के अनुसार प्रोग्राम की अध्यक्षता शुजाउद्दीन अंसारी एम डी रेपिड इलेक्ट्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने की। तथा मुख्य अतिथि डॉ सिराज अहमद क़ादरी अंसारी संपादक दबिस्तान-ए-नअत रहे। विशिष्ट अतिथियों में मोहम्मद इरफान जौनपुरी अध्यक्ष अज़ीज़िया लाइब्रेरी जौनपुर, डॉ अज़ीज़ुल्लाह शीरानी प्रोफेसर मौलाना

आज़ाद उर्दू यूनिवर्सिटी जौधपुर, प्रोफेसर जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली, अरशद अंसारी चेयरमैन वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप, डॉ नौरीन सदफ शिशु रोग विशेषज्ञ जे के लोन कोटा ने स्टेज को ज़ीनत बख़्शी। सभी मेहमानान ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला , विशेष रूप से बालिका शिक्षा पर। प्रोग्राम में 200 प्रतिभाओं को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कोटा के मशहूर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. यूनुस अंसारी को उनकी समर्पण भाव से मरीजो की सेवा व समाज सेवा के लिए अंसारी रत्न से नवाज़ा गया। प्रोग्राम में राजस्थान बुनकर अवार्ड 2025 से सम्मानित मसर्रत जहां, कांग्रेस अल्प संख्यक प्रकोष्ठ ज़िला कोटा के अध्यक्ष ज़ुबेर अहमद, आईएएस फेकल्टी रोहित दाधीच, युवा पर्यावरणविद व क़ानूनविद सबरीना अंसारी, डॉ. नुसरत फातिमा, इंजीनियर सलामत अली को भी निशान-ए-अंसार देकर सम्मानित किया। सभी मेहमानों ने शिक्षा के महत्व पर ज़ोर दिया तथा होनहार बच्चों को और अधिक परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। प्रोग्राम में 200 प्रतिभाओं के साथ उनके माता-पिता और दीगर संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। सोसाइटी के मीडिया प्रभारी मोहम्मद अशफ़ाक़ अंसारी, सोसाइटी के ख़ाज़िन अब्दुल मजीद अंसारी, ज्वाइंट सेक्रेट्री अब्दुल सलाम, अब्दुल हमीद और तमाम पदाधिकारी और मेम्बरान उपस्थित रहे। अंत में सिराज अहमद अंसारी सद्र अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा ने उपस्थित सभी मेहमानों, बच्चों और उनके माता-पिता को धन्यवाद अर्पित किया। प्रोग्राम का संचालन नईम दानिश तथा हारून रशीद अंसारी ने संयुक्त रूप से किया। प्रोग्राम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ।

वूमेन इंडिया मूवमेंट के नेतृत्व में हिजाब और उन्नाव रेप मामले के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

बारां (रॉयल पत्रिका)। वूमेन इंडिया मूवमेंट की जानिब से हिजाब के नाम पर मुस्लिम महिलाओं के साथ हो रही बदसलूकी तथा उन्नाव रेप मामले में दोषी को मिल रही राहत के विरोध में रविवार 28 दिसंबर 2025 को शहर के अंजुमन चौराहा पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। धरने प्रदर्शन में महिला कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और न्याय व्यवस्था से महिलाओं की सुरक्षा व न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। धरना-प्रदर्शन के दौरान महिलाएं हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर सड़क पर बैठी नजर आईं। बैनरों पर "हिजाब हमारा अधिकार", "रेपिस्ट को सख्त सजा दो" और "महिलाओं को न्याय दो" जैसे नारे लिखे हुए थे। महिलाओं की बड़ी भागीदारी ने प्रदर्शन को मजबूती दी और समाज में बढ़ते अन्याय के खिलाफ आक्रोश को स्पष्ट रूप से सामने रखा। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि हिजाब पहनने वाली मुस्लिम महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव और उत्पीड़न को तत्काल रोका जाए। साथ ही उन्नाव रेप मामले के दोषी को किसी भी तरह की राहत न दी जाए और उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए सख्त कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने की भी मांग उठाई गई। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि देश में महिलाओं के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। हिजाब पहनना महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और धार्मिक अधिकार से जुड़ा विषय है, जबकि बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में दोषियों को संरक्षण मिलना समाज के लिए खतरनाक संकेत है। वूमेन इंडिया मूवमेंट के नेतृत्व में हिजाब और उन्नाव रेप मामले के खिलाफ धरना वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के सवाल पर किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने एस.आर.जी. अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

-एमआईसीयू को अपग्रेड कर चिकित्सा सुविधाओं में बढ़ोतरी लाने के दिए निर्देश

-आमजनता से अस्पताल में सफ़ाई रखने के किए अस्पताल प्रशासन का सहयोग करने के दिए निर्देश

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार 28 दिसंबर 2025 को एस.आर. जी. अस्पताल का औचक निरीक्षण कर चिकित्सा एवं अन्य व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया।

आईसीयू अपग्रेडेशन के निर्देश- राजे सर्जिकल आईसीयू एवं एम.आई.सी.यू में पहुँचीं, जहाँ उन्होंने मरीजों के उपचार, उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की स्थिति देखी। उन्होंने आईसीयू के अपग्रेडेशन के निर्देश देते हुए आवश्यक आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इसके साथ ही आईसीयू में लगे ए.सी. डक्ट की मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि झालावाड़ अस्पताल में काफ़ी समय से एमआरआई मशीन की माँग की जा रही है इसके लिए उच्च स्तर पर प्रयास कर शीघ्र झालावाड़ वासियों को एमआरआई मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अस्पताल में आरएमआरएस तथा अन्य माध्यमों से तकनीकी उपकरणों व संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर चिकित्सा सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा।

स्वच्छता पर संतोष, जनभागीदारी का संदेश- निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया, किंतु आमजन से अस्पताल परिसर में गंदगी न करने, दीवारों पर थूकने से बचने तथा खाने के पैकेट व तंबाकू के पाउच इधर-उधर न फेंकने की अपील की। उन्होंने कहा कि अस्पताल की स्वच्छता बनाए रखने में अस्पताल प्रशासन के साथ आमजन का सहयोग आवश्यक है। अस्पताल हम सबकी साझा संपत्ति है और इसकी देखरेख की ज़िम्मेदारी हम सभी की है। इस दौरान झालावाड़ बारां सांसद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने एस दुष्यंत सिंह, आरपीएससी के पूर्व चेयरमैन श्याम सुंदर शर्मा, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शंभु दयाल मीणा, उपखण्ड अधिकारी अभिषेक चारण सहित अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी एवम अन्य मेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार 28 दिसंबर 2025 को नि:शुल्क सुपर मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर विज्ञान नगर कोटा में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के सरपरस्त एवं जनरल लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉक्टर अब्दुल रब ने जानकारी देते हुए बताया कि इस फ्री मेडिकल केंप में शहर के जाने माने न्यूरोलोजिस्ट डॉ. प्रशांत श्रृंगी, यूरोलोजिस्ट सर्जन डॉ. जयेश मित्तल, ओर्थोपिडिक सर्जन डॉ. हितेष मंगल, स्वंय जनरल सर्जन डॉ. अब्दुल रब व फिजीशियन डॉ. अक़ील अहमद ने अपनी सेवाएँ दीं। शिविर प्रभारी मोहम्मद ज़ाकिर आसफ़ी ने बताया कि शिविर प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुआ और निर्धारित समय 2 बजे तक शिविर में लगभग 160 रोगियों ने लाभ उठाया, जिन्हें परामर्श के साथ फ्री दवाइयों का वितरण तथा शुगर, बी.पी. आदि जाँचें भी नि:शुल्क की गईं। मिल्लत चेरीटेबल ट्रस्ट के वाइस चेयरमेन सलीम अब्बासी ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सक, डॉ. सिद्दीक अंसारी, मेडीकल प्रतिनिधी इन्दीवर दाभाई, छाया एजूकेशन वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधि रिज़वान सिद्दीक़ी, मोहम्मद तोसीफ़, सरपरस्त डॉ. नईम फलाही, ट्रस्टीगण इमाम हुसैन मंसूरी, मिर्ज़ा नफ़ीस बेग, निसार अहमद, लईक अहमद, इमरान ख़ान एवं सभी स्टाफ सदस्यों का शुक्रिया अदा किया।

सुकेत में पानी की टंकी की सफाई की

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत में नगर पालिका क्षेत्र के टंकी चौराहा पर खटीक समाज की ओर से राहगीरों के लिए रखी पानी की टंकी की सफाई पिछले छह माह से नहीं हो रही थी। मंगलवार को नगरपालिका एवं जलदाय विभाग के कर्मचारियों के सहयोग से सफाई की गई। इसी क्रम में पशुओं के लिए बनी खेल की सफाई व नए पाइप वाल लगाकर मरम्मत की। इससे अब राहगीरों और पशुओं को स्वच्छ पानी पीने को मिलेगा। इस मौके पर सत्य नारायण खटीक, शिवराज मेरोठा, शाहरुख मंसूरी, नरेंद्र गुप्ता, शिवा राणा, सोनु राणा आदि मौजूद रहे।

सुकेत कस्बा जिला स्तरीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का समापन

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत क्लब की ओर से आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को हुआ। इसमें जिलेभर से टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में आर. के. क्लब कोटा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पचपहाड़ की टीम द्वितीय स्थान पर रही। बेस्ट शूटर का पुरस्कार कोटा के देव को मिला। शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में इंडायरेक्ट वर्ग में साइम खान की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। सलावद खुर्द की टीम द्वितीय स्थान पर रही। फ्रेंड्स क्लब अध्यक्ष हाजी मोहम्मद सखी ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सभी का सहयोग रहा।

वक्फ कमेटी कार्यालय पर उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई वक्फ संपत्तियों के संशोधन के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। वक्फ कमेटी बारां के प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फस जयपुर द्वारा राज्य की तमाम वक्फ कमेटियों को लेटर जारी कर बताया था कि उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई वक्फ संपत्तियों में रही कुछ खामियों ओर उनसे संबंधित संशोधन के लिए राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। उसी क्रम में 24 दिसंबर 2025 बुधवार को कार्यालय वक्फ कमेटी बारां में चेयरमैन इरफान अंसारी की अध्यक्षता में प्रशिक्षण शिविर का

आयोजन किया गया। जिसमें बारां जिले की अपलोड वक्फ सम्पत्तियों में कमियां को दूर करने के लिए शिविर आयोजित किया गया जिसमें राजस्थान वक्फ बोर्ड से जिला प्रभारी अब्दुल हफीज भी मौजूद रहे। जिन्होने उम्मीद पोर्टल पर अपलोड हुई संपत्तियों को संशोधित करने के बारे में प्रशिक्षण दिया गया । शिविर में छबड़ा वक्फ कमेटी सदर साजिद खान, मांगरोल वक्फ कमेटी सदर अलीमुद्दीन अंसारी, असलम अंसारी मांगरोल, कंप्यूटर अनुदेशक मंसूर अली, साबिर हुसैन अंसारी, नाजिश अली, आरिफ हुसैन सहित अन्य लोगों ने संशोधन की प्रक्रिया को समझा।

कस्बा सुकेत में से बिक रही है काली रेत

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कस्बा कोटा जिले मैं और नदी के करीब कस्बासुकेश एवं देवरी घट प्राचीन कालसे बसा हुआ हैं। कस्बा सुकेत में रात केअंधेरों में आओ नदी की रेत की सप्लाई करते है । अरे एक बड़ी महंगे गांव बिकती हैं जबकि प्रशासन द्वारा रोक के बावजूद रेत की सप्लाई जोरो से मकान बनाने में की जाती हैं। बड़े महंगे दामों में ट्रैक्टर ट्राली में रेत लाकर बेची जा रहीहै जिसका फोटो पर लगा हुआ है।

अली अखाड़ा समिति मांगरोल द्वारा आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर में 75 मोतियाबिंद रोगियों का होगा ऑपरेशन

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । अंजुमन मदरसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मांगरोल में रविवार 28 दिसंबर को एक दिवसीय विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर अली अखाड़ा समिति मांगरोल के सौजन्य से तथा चिकित्सा एवं बहुउद्देशीय जनकल्याण समिति कोटा एवं जिला अंधता निवारण समिति बारां के आर्थिक सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर में डॉ. सुधीर गुप्ता आई हॉस्पिटल, नयापुरा (कोटा) से डॉ. बंटी, डॉ. संतोष कुमार (राजकमल ऑप्टिकल) एवं डॉ. जितेन्द्र अपनी चिकित्सकीय टीम के साथ उपस्थित रहे। टीम द्वारा शिविर में आए रोगियों की नेत्र जांच कर ऑपरेशन योग्य मरीजों का चयन किया गया। आयोजन समिति के प्रेस प्रवक्ता जाकिर हुसैन कांच वाले ने बताया कि शिविर में कुल 250 रोगियों का पंजीकरण किया गया, जिनमें से 75 रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन डॉ. सुधीर गुप्ता, नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा डॉ. सुधीर गुप्ता आई हॉस्पिटल, नयापुरा कोटा में किया जाएगा। साथ ही डॉ. संतोष कुमार (राजकमल ऑप्टिकल) द्वारा कम्प्यूटराइज्ड निःशुल्क जांच कर 100 रोगियों को चश्मे के नंबर दिए गए तथा 175 रोगियों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। अली अखाड़ा समिति मांगरोल की ओर से सभी ऑपरेशन कराने वाले रोगियों

को निःशुल्क कंबल प्रदान करने की घोषणा की गई। शिविर में बोहत, बमोरी कलां, मऊ, अयाना, सिमलिया, भटवाड़ा, अंता, बड़ौदिया बिंदी, बोरदा, किशनपुरा, मांगरोल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष रोगियों ने लाभ उठाया। शिविर के समापन पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कोटा शहर के जिलाध्यक्ष साहिल मिर्जा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अली अखाड़ा समिति के अध्यक्ष उस्ताद मोहम्मद हनीफ ने की। विशिष्ट अतिथियों में जमील अहमद (पूर्व चेयरमैन, नगरपालिका मांगरोल), माजिद सलीम (सदर, अंजुमन कमेटी बारां), जय प्रकाश सुमन (मंडल अध्यक्ष, भाजपा मांगरोल), कलाम भाई सीसवाली (अध्यक्ष, चौबीस खेड़ा पंचायत अंसारियान कोटा संभाग), अशरफ अली, हाजी मोहम्मद सलीम, वसीम अख्तर, संजय गालव, इकबाल भाई सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि साहिल मिर्जा ने अपने संबोधन में कहा कि अली अखाड़ा समिति द्वारा आयोजित यह नेत्र चिकित्सा शिविर एक सराहनीय एवं मानव सेवा का कार्य है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन रोगियों का ऑपरेशन कोटा में होगा, उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। वे स्वयं एवं उनकी पूरी टीम ऑपरेशन की प्रक्रिया के दौरान शुरू से अंत तक उपस्थित रहेगी। उन्होंने कहा कि कोटा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर वे सदैव सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में आयोजन समिति के संरक्षक अब्दुल रजाक, अध्यक्ष मोहम्मद अली, उपाध्यक्ष असगर अली, सचिव मोहम्मद इलियास, उपसचिव मकबूल अहमद, कोषाध्यक्ष अनवर हुसैन, प्रोग्राम कन्वीनर गुलाम मिस्त्री सहित अन्य सदस्यों द्वारा अतिथियों का साफा, माला एवं शील्ड भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद सादिक कानूनगो (अध्यक्ष, मुस्लिम कर्मचारी संघ) ने किया। अंत में अली अखाड़ा समिति के अध्यक्ष उस्ताद मोहम्मद हनीफ ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं रोगियों का आभार व्यक्त किया।

अरावली बचाओ जन आंदोलन के तहत कांग्रेस ने निकाली जिला मुख्यालय पर जन जागरण रैली

-भाजपा सरकार अरावली पर्वतमाला को नष्ट करने पर तूली- प्रमोद भाया

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बारां द्वारा जिला मुख्यालय पर अरावली पर्वतमाला को बचाने तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम को निरस्त करने के लिए पेष किए गए विधेयक के विरोध में जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बडी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, अग्रिम संगठनो, प्रकोष्ठों के अध्यक्षों तथा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कई वक्ताओं द्वारा जन जागरण रैली को सम्बोधित किया गया। इसके पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कांग्रेसजनों द्वारा कांग्रेस पार्टी का 140वां स्थापना दिवस मनाते हुए एक-दूसरे को शुभकामनाएं ज्ञापित की। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बारां जिला मुख्यालय पर अरावली पर्वतमाला को बचाने तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम को निरस्त करने के लिए पेश किए गए विधेयक के विरोध में जिला मुख्यालय पर जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बडी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस के अग्रिम संगठन एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता बारां शहर के श्री जी का चैक, चैमुखा बाजार, सर्राफा बाजार, सदर बाजार, धर्मादा चैहारा, प्रताप चैक आदि प्रमुख बाजारों से गुजरते हुए श्रीराम स्टेडियम पर पहुंचे जहां पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर

कांग्रेसजनों द्वारा माल्यार्पण किया गया। जन जागरण रैली को सम्बोधित करते हुए अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने कहा कि यह सर्वविदित है कि अरावली पर्वतमाला ना सिर्फ राजस्थान प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि प्रदेश की जीवनरेखा भी है जो न सिर्फ प्रदेष में रेगिस्तान के विस्तार को रोकने में सहायक है वरन धूल भरी आंधियों से भी बचाव करती है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होने के साथ ही साथ प्रदेषवासियों के लिए आस्था का केन्द्र भी है। अनेक देवालय इस पर्वतमाला पर स्थित है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा व जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करने के लिए विधेयक पेष कर अत्यन्त चिन्ताजनक और सुनियोजित कदम उठाया है। मोदी सरकार को गरीबों की नहीं, सिर्फ अपने अमीर दोस्तों की चिंता है। उन्होंने साफ कहा कि मनरेगा कोई योजना नहीं, संविधान से मिला काम का अधिकार है, और कांग्रेस इसकी हर कीमत पर रक्षा करेगी।

यह रहे उपस्थित:-

कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस एवं जन जागरण रैली कार्यक्रम के दौरान प्रदेष कांग्रेस कमेटी के सचिव हंसराज मीणा उदपुरिया, धर्मराज मेहरा, पूर्व सभापति कैलाष पारस, डीसीसी उपाध्यक्ष बृजराज मीणा, डीसीसी महासचिव हेमलता सोन, अशरफ देषवाली, संध्या जाडेजा, रामप्रसाद शर्मा, आर.आई., सेवादल अध्यक्ष शिवषंकर यादव, नगर अध्यक्ष बारां प्रषान्त भारद्वाज, ब्लॉक अध्यक्ष छीपाबडौद मूलचन्द शर्मा, एससी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शिमला बैरवा, पूर्व नपा उपाध्यक्ष मांगरोल असगर अली, जाकिर मंसूरी, मण्डल अध्यक्ष-बिजोरा भवानीषंकर मीणा, सोरसन- कमलेष नागर, सारथल-डॉ. नफीस कुरैशी, पार्षद- पीयूष सोनी, रोहिताष्व सक्सेना, अर्जुन यषवन्त, ललित गुर्जर, लीलाधर नागर, राजेन्द्र गहलोत, हरिष मेघवाल, अक्षय भूमलिया, किरिट भाई, शाहिद इकबाल भाटी, पंसस नरेन्द्र नन्दवाना, समीर खान, अजय दायमा, रवि पुजारी, राहुल शर्मा, सीताराम मेघवाल, सूरजमल बैरवा पीटीआई, विरेन्द्र शान्त, हेमराज मेघवाल, नरोत्तम राठौर, दिनेश गुर्जर, भूपेन्द्र शर्मा, अजय सैनी, लवि शर्मा, साजिद हुसैन, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष अली हुसेन टीपू, अमन भूमलिया, ममता मेघवाल, चमेलीबाई आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

रज़ा नगर में ख़्वाजा गरीब नवाज़ के 814 वें उर्स पर 14 वां जश्ने ग़रीब नवाज़ मनाया

कोटा (रॉयल पत्रिका)। ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ के 814 वें उर्स के मोके पर दारूल उलूम अता-ए-रसूल रज़ा नगर कोटा में 14 वां उर्से ग़रीब नवाज़ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बड़ी संख्या में उलेमा-ए-किराम व अक़ीदतमंदों ने शिरकत की। कार्यक्रम के संयोजक साहिल मिर्ज़ा ने बताया मौलाना फज़्ले हक पूर्व चेयरमेन राजस्थान मदरसा बोर्ड की सरपरस्ती में उलेमा-ए-किराम ने ख़्वाजा गरीब नवाज़ की जीवनी व प्यार मुहब्बत अमन शांति सांप्रदायिक सौहार्द को मज़बूत करने वाले संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की निज़ामत मुफ़्ती शाहबाज़ आलम ने की। इश्तियाक़ अहमद व मदरसे के विद्यार्थियों ने मंकबत पेश की। मौलाना कामिल अशरफ़ी, मौलाना शमशाद आलम, क़ारी नदीम ने देश में अमन शांति खुशहाली

की दुआ की। लंगर भी खिलाया गया। हाजी हशरुद्दीन पठान, हुसैन देशवाली उपस्थित रहे। इस अवसर पर मौलाना फज़्ले हक ने कहा ख़्वाजा गरीब नवाज़ ने पूरा जीवन मानवता के विकास पर न्योछावर किया। ख़्वाजा साहब का संदेश ख़ुदा प्यासों की प्यास, भूकों की भूक, व टूटे हुए दिलों में मिलेगा। भूखों को खाना खिलाना, प्यासों को पानी पिलाना, टूटे दिलों को जोडना ही ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ से सच्ची मुहब्बत का सबूत है। इस अवसर पर आह्वान किया गया हम संकल्प ले ग़रीब नवाज़ की अमनो शांति और मुहब्बत की शिक्षाओं को घर घर पहुँचाएंगे। कार्यकम के संयोजक साहिल मिर्ज़ा व सेवक ख़लील बेग अब्दुल वली, समीर शैख़, शादाब ख़ान, सोहेल बेग, इस्लाम ख़ान, आसिफ़ हुसैन, हाजी बम्बू ख़ान, वाहिद बेग, कफ़ील, शकील ने उलेमाओ का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान समाजसेवी बम्बू ख़ान का सम्मान किया गया।

एहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी ने सामान्य चिकित्सालय में कंबल डोनेट किए

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सर्द मौसम में राहत प्रदान के उद्देश्य से एहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी ने आर्थिक रूप से कमजोर व जरूरतमंद मरीजों के लिए 20 कंबल राजकीय सामान्य चिकित्सालय में वितरित किए गए। इस अवसर पर पी.एम.ओ डॉ. तेजराम मीणा, डॉ. अंजनी मथुरिया, डॉ. अशोक कुमार मीणा, महेश मीणा, जगमोहन जी, गिरिराज प्रसाद, संस्था अध्यक्ष सोहेल अनवर, विमलेश गुप्ता, मधुसूदन गर्ग, जावेद अनवर, प्रवीण जैन, अनिल सक्सेना, पीयूष सिंघल, अल्ताफ नूर आदि उपस्थित रहे।

कॉम काजियान ने एम.ए. टॉपर गोल्ड मेडलिस्ट तबस्सुम का किया सम्मान

-महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडलिस्ट मिला

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय नई सड़क राजेन्द्र स्टूडियो के पास कल देर शाम को, चूरू शहर की प्रथम मुस्लिम महिला तब्बसुम बानो को एम. ए. ऊर्दू के टोपर बनने व गोल्ड मेडल हासिल करने पर कौम काजियान ने तब्बसुम बानो के लिये सम्मान समारोह का आयोजन किया । पूर्व सदर ज़ाकिर झरियावाला ने बताया तब्बसुम पत्नी इमरान के चूरू पहुचने पर जुलूस के रूप में नई सड़क, भरतीया कुआ, पठान चौक, भाटी स्ट्रेट व शहर के मुख्य मार्गों पर जगह-जगह फूल और नोटों की मालाओं से स्वागत, आतिशबाजी के साथ किया, जुलूस काफिले के साथ सम्मान समारोह सभा तक लाया गया । सभा की अध्यक्षता कौम काजियान के सदर संजय भाटी ने की व मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया थे, वरिष्ठ अतिथि कॉग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर व सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी अब्दुल ज़ब्बार, चूरू जिला अंजुमन अल शबाब

जिलाध्यक्ष जमील चौहान रहे संजय भाटी ने तब्बसुम की कामयाबी बताते हुवे कहा ये पूरे चूरू के लिये फख़्र की बात है। गोविन्द महनसरिया ने बेटी के उज्जवल भविष्य के लिये आशीर्वाद दिया। अब्दुल ज़ब्बार ने इस कामयाबी के लिये तब्बसुम की जीत को दूसरे बच्चों के लिये प्रेरणा बताया और ससुर ग़ाकिल फिर जी के साथ तब्बसुम को बधाई दी। अंत में तब्बसुम ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने सास-ससुर, माता-पिता और अपने अध्यापकों को दिया । कार्यक्रम में शहर के निवर्तमान पार्षदों में अज़ीज़ खान, बाबू खान मंत्री, समीउल्लाह गौरी, नोमान सैय्यद, इस्माइल भाटी, सेवानिवृत्त अध्यापक दिन मोहम्मद, सेवानिवृत्त व्याख्याता असगर अली ने भी अपने विचार रखे । कार्यक्रम का संचालन इमरान मंसूर अली ने किया । इस अवसर पर आज़म भाटी ,खादिम खान, रशीद सैय्यद, इमरान भाटी मोहसिन अली, इरफ़ान भाटी काज़ी अब्बास, अकरम टेलर, खादिम, मास्टर वसीम शेरा, नाइफ, बंटी, साईल, फय्याज भाई, अबू मिस्त्री सहित बड़ी संख्या में महिलाएं आदि उपस्थित थे ।

चूरु में हुआ तेली समाज का सम्मान समारोह

-प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के तत्वाधान में मेधावी छात्रों ओर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का किया सम्मान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज बाड़ी तेलियान चुरू में राजस्थान प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत चुरू द्वारा मुस्लिम तेली समाज को शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह में पधारे प्रांतीय अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको ने इस अवसर पर कहा के समाज में फैली गैर जरूरी रीति-रिवाज को दूर करे, शादी ब्याह में फिजूल खर्ची रोके ओर बच्चों को स्कूल जाने को प्रोत्साहित करे। प्रांतीय संरक्षक पूर्व राज्यमंत्री अशरफ अली ख़िलज़ी ने कहा के आज समाज को आगे बढ़ाना है विकसित करना है तो बच्चों को शिक्षा के रास्ते पर लाना होगा तभी हम आगे बढ़ सकते है। समारोह के विशिष्ट अतिथि शहर इमाम पीर अनवार अहमद कादरी साहब ने कहा के आज की युवा पीढ़ी शुरुआती शिक्षा तो ले रही है पर टेक्निकली ओर प्रतियोगी परीक्षाओं से वंचित रह जाती है जिसके लिए युवाओं ओर पढ़ने वाले बच्चों की काउंसलिंग करते रहना चाहिए तभी समाज मुख्यधारा में शामिल होगा।। समारोह में डॉ फखरुल हसन गौरी , रफीक चौहान, मोहम्मद हुसैन निर्बान, जुमर दीन, इस्माइल चौहान आदि ने भी विचार रखे। महापंचायत द्वारा मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भेंट कर छात्र छात्राओं में पढ़ने को लेकर प्रतिस्पर्धा की भावना पनपाने के उद्देश्य से सम्मानित किया ताकि वंचित छात्र भी कड़ी मेहनत कर शिक्षित बन सके। आयोजन समिति के गुलाम हुसैन गौरी ने बताया कि अ.लतीफ आरको ने चूरू के साजिद तुगलक को राजस्थान कमेटी मे उपाध्यक्ष बना या इस अवसर पर कमेटी मुश्प्रांतीय

मुस्लिम तेली महापंचायत के तत्वाधान में मेधावी छात्रों ओर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का किया सम्मान। आज बाड़ी तेलियान चुरू में राजस्थान प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत चुरू द्वारा मुस्लिम तेली समाज को शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया।समारोह में पधारे प्रांतीय अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको ने इस अवसर पर कहा के समाज में फैली कुरीतियों को दूर करे, शादी ब्याह में फिजूल खर्ची रोके ओर बच्चों को स्कूल जाने को प्रोत्साहित करे। प्रांतीय संरक्षक पूर्व राज्यमंत्री अशरफ अली ख़िलज़ी ने कहा के आज समाज को आगे बढ़ाना है विकसित करना है तो बच्चों को शिक्षा के रास्ते पर लाना होगा तभी हम आगे बढ़ सकते है।समारोह के विशिष्ट अतिथि शहर इमाम पीर अनवार अहमद कादरी साहब ने कहा के आज की युवा पीढ़ी शुरुआती शिक्षा तो ले रही है पर टेक्निकली ओर प्रतियोगी परीक्षाओं से वंचित रह जाती है जिसके लिए युवाओं ओर पढ़ने वाले बच्चों की काउंसलिंग करते रहना चाहिए तभी समाज मुख्यधारा में शामिल होगा। समारोह में डॉ. फखरुल हसन गौरी, रफीक चौहान, मोहम्मद हुसैन निर्बान, जुमर दिन, इस्माइल चौहान आदि ने भी विचार रखे। महापंचायत द्वारा मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भेंट कर छात्र छात्राओं में पढ़ने को लेकर प्रतिस्पर्धा की भावना पनपाने के उद्देश्य से सम्मानित किया ताकि वंचित छात्र भी कड़ी मेहनत कर शिक्षित बन सके। आयोजन समिति के गुलाम हुसैन गौरी ने बताया कि अब्दुल लतीफ आरको ने चूरू के साजिद तुगलक को राजस्थान कमेटी मे उपाध्यक्ष बनाया है। इस अवसर पर कमेटी मुश्ताक चौहान, मंगतू भाटी, गुलाम हुसैन गौरी, हारून गौरी, इस्माइल भाटी, अकबर निर्वाण, साजिद तुगलक, सलीम चौहान, याकूब राजगढ़िया, वजीरदीन भाटी, सलीम PA, इब्राहिम गौरी, इमरान मलनस, अकरम एडवोकेट आदि ने मेहमानों का स्वागत सत्कार किया और समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रफीक चौहान ने कियाताक चौहान, मंगतू भाटी, लाल मोहम्मद चौहान, इमामुदीन मलनस, हारून गौरी, अनवर चौहान, इस्माइल भाटी, अकबर निर्वाण, साजिद तुगलक, सलीम चौहान, याकूब राजगढ़िया, वजीरदीन भाटी, सलीम PA, इब्राहिम गौरी, इमरान मलनस, अकरम एडवोकेट, असगर चौहान असलम सीकरिया, युसुफ चौहान, बाबू सोलंकी, अकबर निरबाण, इस्माइल चौहान शौकत चौहान आदि और समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रफीक चौहान ने किया।

आमीन अली रंगरेज का पवित्र हज यात्रा 2026 के केंद्रीय हज प्रशिक्षक के लिए लगातार चौथी बार हुआ चयन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) । पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज हज प्रशिक्षक के रूप में पवित्र हज यात्रा 2026 के लिये राजस्थान से जाने वाले हज यात्रियों को हज यात्रा सम्बंधित जानकारियों के लिये प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से केन्द्रीय हज कमेटी मुंबई ने नई हज पॉलिसी के तहत नई पात्रता रखते हुए देश के सभी राज्यों के राज्य हज कमेटी के माध्यम से पात्र उम्मीदवारों से कम्प्यूटर बेस टेस्ट (सीबीटी)

करवाये गये थे। उसी के अनुरूप राजस्थान से भी राज्य हज कमेटी जयपुर के माध्यम से हुए कम्प्यूटर बेस टेस्ट (सीबीटी) परीक्षा पास करने पर पाली के पूर्व पार्षद कांग्रेस नेता आमीन अली रंगरेज का लगातार चौथे साल चयन किया है। उसी के तहत केन्द्रीय हज कमेटी मुम्बई में दो दिवसीय ट्रेनर टू ट्रेनी कार्यक्रम 10-11 जनवरी 2026 को आयोजित हो रहा है। रंगरेज के हज प्रशिक्षक के रूप में चयन होने पर हज कमेटी सदस्यों, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजनों ने बधाई दी।

कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र राज्य की सह प्रभारी रेहाना रियाज चिश्ती के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री राजस्थान सरकार एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र राज्य की सह प्रभारी श्रीमती रेहाना रियाज चिश्ती के जन्म दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस चूरू के विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके की ओर से राजकीय भरतीया जिला अस्पताल चूरू की ब्लड बैंक में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर रेहाना रियाज चिश्ती के उज्जवल भविष्य स्वस्थ जीवन एवं दीर्घायु की कामना की गई। इस अवसर पर युवा कांग्रेस चूरू

के विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके, पीसीसी की ओर से बीकानेर प्रभारी एडवोकेट सद्दाम हुसैन, कांग्रेस लोकसभा ट्रैनिंग को-ऑर्डिनेटर मोहम्मद रफीक चौहान, किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव विकास मील, राजवंशी खान महासभा अध्यक्ष सिराज खां जाईयां, मुबारिक भाटी, कांग्रेस कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ अज्जू लुहार, कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अशोक पंवार, मोहम्मद कासम सिसोदिया, शोयब खान, अब्दुल्ला कुरैशी, कासिफ सिसोदिया, साबीर चेजारा, शोयल गौरी, शौयल खोखर, मुस्लिम लुहार, अल्ताफ रंगरेज, मोहम्मद आसिफ सिसोदिया, अफराज भलीम, समीर खान, अरमान कुरैशी, नासीर चेजारा, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोपाल ढाका, नर्सिंग ऑफिसर जयपाल गोदारा, नर्सिंग ऑफिसर जीतू, महमूद अली मोयल, तनवीर खान, प्रबल कुमार कुर्बिलाव, विनोद डाबी इत्यादि ने अपनी उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की ।

डॉ. मेधा माथुर को लखनऊ में प्रतिष्ठित मिड-करियर साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की प्रोफेसर डॉ. मेधा माथुर को लखनऊ में आयोजित AMUCON 2025 में प्रतिष्ठित मिड-करियर साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शोध योगदान तथा चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। डॉ. माथुर ने सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों, चिकित्सा शिक्षा एवं समुदाय-आधारित स्वास्थ्य मुद्दों पर उच्च गुणवत्ता वाले शोध के माध्यम से महत्वपूर्ण अकादमिक योगदान दिया है। शोध कार्यों के साथ-साथ डॉ. माथुर ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, पाठ्यक्रम विकास तथा सामुदायिक चिकित्सा में

साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। AMUCON जैसे राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में मिला यह सम्मान उनके अकादमिक उत्कृष्टता एवं समाज के स्वास्थ्य सुधार के प्रति सतत समर्पण को दर्शाता है। यह पुरस्कार गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के लिए गौरव का विषय है तथा राष्ट्रीय मंच पर राजस्थान के चिकित्सा संस्थानों की बढ़ती अकादमिक पहचान को और सुदृढ़ करता है।

खलीफा वेलफेयर सोसायटी राजस्थान का प्रतिभा सम्मान समारोह बीकानेर में संपन्न हुआ

चूरू/बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। खलीका वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान का चौथा सम्मान समारोहका जश्न-ए-एजाज जलसा बीकानेर, हसनेन इस्ट कैम्पस में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता डॉ. अयुब कुरैशी झुंझनु ने की, मुख्य अतिथि अहमद अली बीकानेर, विशिष्ट अतिथि अनवर अली कुरेशी रतनगढ़, युनुस अली चूरू, अख्तर अजीज बीकानेर, शेर मोहम्मद, बाबा हिन्दुस्तानी महमूद कुरेशी, युनुस सलीम, खुर्शीद गौहर झुंझुनू, इनायत अली बीकानेर, इदरीश खत्री राज चूरवी थे। समारोह बोलते हुए सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी अनवर अली कुरैशी ने आह्वान किया कि कौम के बच्चों की तालिम की तरफ ज्यादा ध्यान देवे। इसी क्रम में मुख्य अतिथि ने कहा प्रतिभा सम्मान समारोह एक ऐसा विशेष आयोजन है। जहां शिक्षा खेल व कला जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्रों और छात्राओं को व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य उनकी मेहनत को सहलाना और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ऐसे कार्यक्रमों में समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना जागती है और अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। सम्मानित व्यक्तियों को प्रमाण, स्मृति चिह्न प्रदान कीए जाते है। इस समारोह में कक्षा 10 व 12 वी में

70% अक प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बी.एड, बी. फार्मा, बि.एस. सी, नर्सिंग व विशेष उपाधि प्राप्त करने वाले प्रत्याशीयों को भी सम्मानित किया गया। प्रोग्राम का आगाज कुरआन मजीद की तिलावत से हुआ। समारोह मे चूरू, कुन्नू, सीकर, गंगानगर, डीडवाना, कुचामन, रतनगढ़, फतेहपुर, मण्डावा, चिड़ावा, बीकानेर बिसाऊ, महनसर आदि। कौम के लोगो ने भाग लिया बीकानेर ने मेजबानी की सभी ने आयोजन की प्रसंशा की। इस मौके पर बीकानेर के अब्दुल रशीद, तनवीर, अयुब भाटी, कयूम कुरैशी, समीर भाटी, इमरान भाटी, शमशाद कुरैशी, खुर्शीद, आवेश भाटी, आदि। संस्था के अध्यक्ष-सचिव कयुम बिदासर एवं इरशाद चौहान,सदस्यगण ने सभी आए हुए मेहमानों का इस्तकबाल के साथ आभार व्यक्त किया।

साजिद तुगलक प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के उपाध्यक्ष नियुक्त

चूरू (रॉयल पत्रिका) । प्रान्तीय मुस्लिम तैली महापंचायत राजस्थान ने साजिद तुगलक पुत्र हाजी अहमद हुसैन तुगलक को अग्रिम आदेश तक राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है । जिससे तेली समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा और समाज में उत्साह नज़र आ रहा है। साजिद हुसैन ने कहा है कि मैं समाज में लगन और कर्तव्य-निष्ठा से कार्य करूंगा। समाज के लोगों ने साजिद हुसैन को बधाई

और उज्जवल भविष्य की कामना की। साजिद हुसैन ने प्रदेश नेतृत्व सुरक्षक अशरफ अली खिलजी एवं अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको का आभार व्यक्त किया।

एएसआई पदोन्नति पर जंगशेर ख़ान का सम्मान किया

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर स्टार एकेडमी चुरू में आज जंगशेर ख़ान के सहायक उप निरीक्षक (ASI) राजस्थान पुलिस हाल पदस्थापित श्रीगंगानगर निवासी चुरू के पद पर पदोन्नत होने के उपलक्ष्य में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एकेडमी के निदेशक अब्बास खान, रि. एसअचओ अज़ीज़ खान, रि. DED जिला शिक्षा अधिकारी भंवर खान, रि. उप निदेशक मोहम्मद अय्याज़ खान, आरिफ खान एबीएस मोटर्स, रि. आरपीएस रणधीर सिंह, सिकंदर बी खान, साजिदा खान एवं शिक्षकगण, विद्यार्थी एव गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत जंगशेर

ख़ान को गुलदस्ता भेट कर और माल्यार्पण द्वारा हुई।उपस्थित वक्तओं ने जंगशेर खान की मेहनत, अनुशासन और कर्तव्य-निष्ठा की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनकी यह पदोन्नति न केवल उनके लिए बल्कि समाज और युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणास्रोत है। समारोह के दौरान जंगशेर ख़ान को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में ख़ान ने स्टार एकेडमी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सफलता के पीछे निरंतर परिश्रम, परिवार का सहयोग और संस्थाओं का मार्ग-दर्शन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपस्थित जन समूह ने जंगशेर ख़ान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद ने मेहताब आलम को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया

जयपुर। राजस्थान के साहित्यिक एवं सामाजिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद ने मेहताब आलम को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति वर्ष 2026 से 2028 के कार्यकाल के लिए की गई है। मेहताब आलम जोधपुर जिले से संबंधित हैं और साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहे हैं। कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद एक ऐसा सशक्त मंच है, जो नवांकुर रचनाकारों को परिवार, समाज और संस्कृति से जोड़ते हुए उनमें सामाजिक व साहित्यिक दायित्वों की भावना विकसित करता है। परिषद द्वारा की गई यह नियुक्ति राजस्थान प्रदेश में साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। मेहताब आलम इससे पूर्व भी विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। वे समाज सेवा, सद्भावना, राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक चेतना और साहित्यिक मूल्यों के सक्रिय संवाहक के रूप में जाने जाते हैं। अनेक साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने स्थानीय से लेकर राज्य स्तर तक राजस्थानी संस्कृति के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया है। परिषद को विश्वास है कि उनके नेतृत्व

में साहित्य, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कार्यों तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा और गति प्राप्त होगी। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मेहताब आलम को उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। परिषद का मानना है कि उनकी नेतृत्व क्षमता, सक्रियता और संस्कृति के प्रति गहरी प्रतिबद्धता संगठन की गतिविधियों को प्रदेश में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेहताब आलम का वक्तव्य

नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मेहताब आलम ने कहा— "राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया जाना मेरे लिए गौरव का विषय है। मैं इस दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करूंगा तथा साहित्य और संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा।"

सुशासन दिवस पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई सुशासन की शपथ

बारां (रॉयल पत्रिका)। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को मिनी सचिवालय सभागार में सुशासन दिवस मनाया गया। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, एसपी अभिषेक अंदासु, एडीएम भंवरलाल जनागल, सीईओ

राजवीर सिंह चौधरी, एडी जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा, महिला बाल विकास सहायक निदेशक दुर्गाशंकर मीणा सहित अधिकारियों व कर्मचारियों ने वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रदेश में सुशासन के उच्चतम मापदंडों को स्थापित करने के लिए, शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी, जन-कल्याण केन्द्रित और जवाबदेह बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने एवं प्रदेश के नागरिकों के जीवनस्तर में सुधार लाने के लक्ष्य को पाने के लिए सदैव तत्पर रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वाजपेयी के जीवन और उनके उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आदर्श और सिद्धांत हमें प्रेरित करते हैं। उनके द्वारा स्थापित सुशासन की परंपराएं आज भी प्रासंगिक हैं और हम सभी को उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने वाजपेयी के उल्लेखनीय कार्यों और उनकी दूरदर्शी नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि वाजपेयी ने देश को एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने उनकी ओजस्वी वाणी, सुदृढ़ नेतृत्व और जनसेवा के प्रति समर्पण को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया। इस अवसर पर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुस्लिम महासभा का जिला स्तरीय कार्यकर्ता मिलन समारोह हुआ आयोजित

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम महासभा करौली का जिला स्तरीय कार्यकर्ता मिलन समारोह रविवार को हिंडौन सिटी में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया प्रभारी अजीम खान चिनायटा, प्रदेश सचिव जहीर खान व संभाग प्रभारी मोहम्मद रफीक बालघाट ने शिरकत की। मुस्लिम महासभा करौली के जिला अध्यक्ष इस्लाम मूंडरी व हिंडौन ब्लॉक अध्यक्ष नसीब मंडावरा के नेतृत्व में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आये अतिथियों का माला व साफा पहनाकर इस्तकबाल किया। कार्यक्रम में आगामी 4-5 जनवरी को स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें जिले से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता पहुंचेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जहीर खान प्रदेश सचिव राजस्थान, विशिष्ट अतिथि अजीम खान चिनायटा प्रदेश मीडिया प्रभारी, मोहम्मद रफीक बालघाट संभाग प्रभारी भरतपुर, नाजिम खान जिला अध्यक्ष भरतपुर, ईसुब हाडौली जिला महामंत्री, हनीस कुतकपुर जिला मीडिया प्रभारी, मोहम्मद रफीक ताज, बख्तियार जिला सचिव, नसीब मंडावरा ब्लॉक अध्यक्ष हिंडौन, शकील अहमद तहसील अध्यक्ष श्री महावीर जी, अजरुद्दीन जिला सचिव व मुस्लिम महासभा के समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ 400 गुरुदीक्षा संस्कार

इकबाल शाह बनेड़ा

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में लक्ष्मी भवन में चार दिवसीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि 24 कुंडिय गायत्री महायज्ञ का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ। जिसमे करीब 500 श्रद्धालुओं ने यज्ञ में भाग लिया जिसमे सुख शांति व लोकमंगल के लिए हजारों आहुतिया दी गई। तथा स्कूली बच्चों सहित करीब 400 व्यक्तियों ने गुरु दीक्षा ली। साथ ही विभिन्न संस्कार निशुल्क संपन्न हुए। शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे मुख्य टोली नायक परमेश्वर लाल साहू एवं साथियों के सानिध्य में यज्ञ संपन्न हुआ। टोली नायक ने बताया कि मनुष्य का जीवन बिना गुरु के लक्ष्य विहीन नाव की तरह होता है अतः जीवन में गुरु का होना आवश्यक है और प्राचीन समय में बच्चों को गुरुकुल में इसीलिए भेजा जाता था ताकि उन पर गुरु का नियंत्रण स्थापित हो सके क्योंकि छोटे बच्चे गीली मिट्टी की तरह होते हैं उसे चाहे जैसा ढाला जा सकता है बड़े होने पर संस्कार प्रभाव दिखाने लगते हैं अतः बदलना कठिन होता है उन्होंने बच्चों में अच्छे संस्कार के लिए गुरु का नियंत्रण स्थापित करने की बात कही। आयोजन समिति ने दीक्षा संस्कार में युवाओं के लिए सभी सेट निशुल्क दिए। तत्पश्चात भोजन प्रसाद रहा। यज्ञ को लेकर सभी मे विशेष उत्साह देखने को मिला। 30 तारीख को प्रातः यज्ञ के साथ सामूहिक पुंसवन संस्कार, अन्नप्राशन, यज्ञोपवीत, जन्मदिवस इत्यादि संस्कार निशुल्क संपन्न कराए जाएंगे। एवं कल शाम को 2100 दीपकों के साथ विशाल भव्य दीप यज्ञ संपन्न कराया जायेगा। सभी श्रद्धालु भक्तजन आमंत्रित है।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

कार्तिक आर्यन अभिनीत तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी ने 21.24 करोड़ रुपए की कमाई की

अनन्या पांडे और कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिका वाली फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी ने अपनी रिलीज के तीन दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। निर्माताओं ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के साथ बॉक्स ऑफिस आंकड़े साझा किए, जिसमें फिल्म के पोस्टर के साथ दिन के अनुसार कलेक्शन का विवरण था। फिल्म ने 8.46 करोड़ रुपए से ओपनिंग की और अगले दिनों में 6.03 और 6.75 करोड़ रुपए की कमाई की। फिल्म का कुल कलेक्शन 21.24 करोड़ रुपए है।

दर्शक बारीकियों को समझने लगे हैं वामिका गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं। वामिका ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी। 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर उन्होंने समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, 'अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता।' अभिनेत्री वामिका गब्बी का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है। वह मानती हैं कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा, क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं। सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है। उन्होंने आगे बताया कहा, 'टेक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है। आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं।' वामिका के अनुसार, यह बदलाव सिनेमा को नई दिशा दे रहा है। वामिका गब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म 'जब वी मेट' से की थी।

विक्रम भट्ट-पत्नी की दूसरी जमानत याचिका खारिज

7 दिसंबर से हिरासत में हैं, इंदिरा IVF के फाउंडर ने लगाए 30 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप

पॉपुलर फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को धोखाधड़ी केस में 7 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। एक बार जमानत याचिका खारिज होने के बाद कपल ने दूसरी बार जमानत की याचिका दायर की थी, हालांकि उनकी याचिका खारिज कर दी गई है। विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी पर इंदिरा IVF के फाउंडर ने 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे, जिसके बाद कपल को गिरफ्तार कर 14 दिन की रिमांड पर भेजा गया था। 24 दिसंबर को रिमांड पूरी होने के बाद कपल ने जमानत याचिका लगाई थी, लेकिन सेंसिटिव फेज का हवाला देते हुए इसे खारिज कर दिया गया और उनकी रिमांड बढ़ा दी गई है। अदालत का कहना है कि मामले में गिरफ्तारियां और पूछताछ जरूरी है। राजस्थान के इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत 8 लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की एफआईआर उदयपुर में दर्ज कराई थी। डॉ. अजय मुर्डिया का आरोप है कि एक इवेंट में उनकी मुलाकात दिनेश कटारिया से हुई थी। दिनेश कटारिया ने उन्हें पत्नी की बायोपिक बनाने का प्रस्ताव दिया। इस सिलसिले में दिनेश कटारिया ने 24 अप्रैल 2024 को मुंबई स्थित वृंदावन स्टूडियो बुलाया था। कटारिया ने उन्हें विक्रम भट्ट से मिलवाया, जहां भट्ट से बायोपिक बनाने पर चर्चा हुई थी। कुछ दिन बाद विक्रम और श्वेतांबरी भट्ट ने डॉक्टर अजय मुर्डिया को कहा- 7 करोड़ रुपए और फाइनेंस करके वे 4 फिल्में 47 करोड़ में बना सकते हैं। इन फिल्मों की रिलीज से 100 से 200 करोड़ रुपए तक मुनाफा हो जाएगा। इसके बाद उनके स्टाफ में अमनदीप मंजीत सिंह, मुदित, फरजाना आमिर अली, अबजानी, राहुल कुमार, सचिन गरगोटे, सबोबा भिमाना अडकरी के नाम के अकाउंट में 77 लाख 86 हजार 979 रुपए ट्रांसफर करवाए। इस तरह 2 करोड़ 45 लाख 61 हजार 400 रुपए ट्रांसफर किए। वहीं इंदिरा एंटरटेनमेंट से 42 करोड़ 70 लाख 82 हजार 232 रुपए का भुगतान किया गया, जबकि चार फिल्मों का निर्माण 47 करोड़ में किया जाना तय हुआ था। विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी भट्ट ने केवल दो फिल्म का निर्माण कर रिलीज करवाया। तीसरी फिल्म विश्व विराट लगभग 25 प्रतिशत ही बनाई गई। चौथी फिल्म महाराणा-रण की अभी तक शूटिंग भी शुरू नहीं हुई। आरोप है कि डायरेक्टर ने फिल्म महाराणा-रण के ही 25 करोड़ हड़प लिए। इंदिरा IVF के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया (पीड़ित) ने फिल्म डायरेक्टर, उनकी पत्नी, बेटी कृष्णा निवासी अंधेरी वेस्ट, मुंबई, दिनेश कटारिया निवासी सहेली नगर उदयपुर, महबूब अंसारी प्रोड्यूसर निवासी ठाणे, मुदित बुटट्टान निवासी दिल्ली, गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव डीएससी चेयरमैन, अशोक दुबे जनरल सेक्रेटरी, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज मुंबई के खिलाफ भूपालपुरा (उदयपुर) थाने में रिपोर्ट दी थी।

ग्रीन लॉन्ग गाउन में दिखा श्वेता तिवारी का ग्लैमरस लुक

टीवी इंडस्ट्री की फेमस ऐक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपने स्टाइल और एक्टिंग दोनों के लिए चर्चा में रहती है। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत फोटो शेयर की जिसमें उनका ग्रेसफुल और ग्लैमरस लुक फैंस का ध्यान खींच रहा है। इस फोटो में श्वेता का एलीगेंट ग्रीन गाउन, सॉफ्ट वेवी हेयर और नैचुरल मेकअप उनके लुक को परफेक्टली हाईलाइट कर रहे हैं। इस फोटो में श्वेता बेहद एलीगेंट और स्टाइलिश नजर आ रही हैं। उन्होंने गहरे ग्रीन कलर की लॉन्ग गाउन पहनी है जो उनके स्लीक और ग्रेसफुल लुक को परफेक्टली हाईलाइट कर रही है। इस गाउन का डिजाइन बेहद सिंपल लेकिन क्लासी है. स्क्वायर नेकलाइन और लॉन्ग स्लीव्स इस ड्रेस को एक मॉडर्न टच देते हैं. गाउन का फिट श्वेता की बॉडी शेप को ब्यूटीफुल तरीके से हाइलाइट कर रहा है।

सलमान खान पनवेल फार्महाउस के आसपास साइकिल चलाते हुए नजर आए

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को भारी सुरक्षा के बीच पनवेल स्थित फार्महाउस के आसपास साइकिल चलाते देखा गया।सलमान शुक्रवार को अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने फार्महाउस पहुंचे, जहां उन्होंने अपना 60वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान रितेश देशमुख, जेनेलिया डिसूजा, महेश मांजरेकर, संगीता बिजलानी, रमेश तौरानी, निखिल द्विवेदी, हुमा कुरेशी, संजय दत्त, आदित्य रॉय कपूर और क्रिकेटर एमएस धोनी सहित कई हस्तियां शामिल थीं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में अभिनेता को साइकिल चलाते हुए देखा जा सकता है, जिसके पीछे सुरक्षा दस्ते को भी देखा गया। साइकिल चलाने के दौरान सलमान काले रंग की टी-शर्ट, जींस और चप्पल पहने नजर आए। सलमान अपनी अगली फिल्म में चित्रांगदा सिंह के साथ "बैटल ऑफ गलवान" में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इस फिल्म की कहानी भारत और चीन के बीच 2020 में हुए गलवान घाटी झड़प के इर्द-गिर्द घूमती है।

YEAR IN REVIEW 2025

पर्दे से दूर रहीं ये बॉलीवुड हीरोइन, नहीं रिलीज हुई एक भी फिल्म

बॉलीवुड में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने हिंदी सिनेमा पर राज किया है। हालांकि, टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार और सबसे ज्यादा फीस वसूलने वाली अदाकारा साल 2025 में पर्दे से गायब रहीं

कैटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 के अंत में आई फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में देखा गया था। एक्ट्रेस ने उसके बाद किसी फिल्म में काम नहीं किया है और वे अपने मदरहुड को एंज्वॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने 7 नवंबर को बेबी बॉय को जन्म दिया था। कैटरीना के अलावा, हॉलीवुड और बॉलीवुड फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की भी इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है, लेकिन वे अगले साल 2027 में एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित और महेश बाबू अभिनीत मेगा बजट फिल्म 'वाराणसी' में दिखने वाली हैं। साल 2025 **आलिया भट्ट** के लिए भी सूखा साबित हुआ। साल 2024 में उनकी फिल्म 'जिगरा' रिलीज हुई थी, जो विवादों के बाद पर्दे पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि साल 2026 में वे दो फिल्मों में नजर आ सकती हैं। उनकी आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' और 'अल्फा' साल 2026 में रिलीज होने वाली हैं। वहीं **दीपिका पादुकोण** की भी कोई फिल्म इस साल रिलीज नहीं हुई। ये साल दीपिका के लिए कल्कि 2898 एडी के सीक्वल को लेकर विवादों में रहा। उनके 8 घंटे काम करने वाले बयान को लेकर उन्हें आलोचना और सपोर्ट दोनों मिला। उन्हें आखिरी बार फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था, लेकिन आने वाला साल उनके लिए लाजवाब होने वाला है। दीपिका शाहरुख खान के साथ 'किंग', 'ब्रह्मास्त्र पार्ट-2', 'पठान-2', और 'एए22×ए6' में दिखने वाली हैं, जबकि 'टाइगर वर्सेज पठान' में एक्ट्रेस के नाम को लेकर चर्चा हो रही है। **करीना कपूर खान** भी पर्दे से काफी समय से दूर हैं। उन्हें आखिरी बार पर्दे पर 2024 में 1 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था। इस साल अभिनेत्री की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है, लेकिन कहा जा रहा है कि वे 'थ्री इडियट्स 2' में नजर आ सकती हैं। फिल्म की लेखनी का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा, **श्रद्धा कपूर** की 2025 में कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई और वह पूरी तरह से बड़े पर्दे से दूर रहीं। हालांकि, खबरों के मुताबिक, वह 2026 में जोरदार वापसी करेंगी; उनकी आगामी फिल्म 'ईथा' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस को आखिरी बार साल 2024 में फिल्म 'स्त्री-2' में देखा गया था और उन्होंने 'थामा' में खास अपीरियंस दी थी।

(साभार एजेंसी)

महज 14 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी बने कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के उभरते क्रिकेट सितारे वैभव सूर्यवंशी ने महज 14 साल की उम्र में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। युवा बल्लेबाज को भारत की अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया है और वह इस सीरीज में भारतीय टीम की अगुआई करते नजर आएंगे। आईपीएल से लेकर इंटरनेशनल यूथ क्रिकेट तक, वैभव की तेजी से बढ़ती सफलता ने सभी का ध्यान खींचा है।

सबसे कम उम्र में शतक

अप्रैल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल डेब्यू करने वाले वैभव पहले ही टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। अब दक्षिण अफ्रीका में होने वाली तीन मैचों की सीरीज के लिए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा पड़ाव माना जा रहा है।

रिकॉर्ड तोड़ते प्रदर्शन

वैभव ने अगले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और 11 छक्के शामिल थे। इस प्रदर्शन के साथ ही वह टी20 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 190 रन बनाकर सबसे कम उम्र में शतक लगाने का नया रिकॉर्ड भी बनाया।

आंकड़े और करियर

वैभव ने सिर्फ 23 महीने के सीनियर क्रिकेट करियर में खुद को साबित कर दिया है। 50 ओवर के मैचों में औसतः 46, स्ट्राइक रेटः 157.83, टी20 में औसतः 41.23, स्ट्राइक रेटः 204.37, टी20 में तीन शतक और सबसे अधिक 144 रन। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि 14 साल की उम्र में भी वह कितने बेखौफ और खतरनाक बल्लेबाज हैं।

भारत की अंडर-19 टीम (साउथ अफ्रीका दौरा)

वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), एरन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अम्बरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी. दीपेश, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, युवराज गोहिल, राहुल कुमार।

कप्तानी और भविष्य

अब वैभव सूर्यवंशी को भारत की अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया है। इस सीरीज का उद्देश्य जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले 50 ओवर वर्ल्ड कप से पहले आखिरी ड्रेस रिहर्सल है। युवा खिलाड़ी के लिए यह एक असली इम्तिहान साबित होगा।

लौरा ने महिला टी-20 की फास्टेस्ट फिफ्टी की बराबरी की:सुपर स्मैश में 15 गेंद में 50 रन पूरे किए

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड में चल रही महिला सुपर स्मैश में ऑस्ट्रेलिया की विस्फोटक बल्लेबाज लौरा हैरिस ने इतिहास रच दिया। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर महिला टी-20 क्रिकेट के सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड की वारविकशर खिलाड़ी मैरी केली के नाम था। रविवार को एलेक्जेंड्रा के मोलिन्यू पार्क में खेले गए

मुकाबले में ओटागो को जीत के लिए 146 रन का लक्ष्य मिला था। टीम ने 6 ओवर में 46 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में लौरा हैरिस क्रीज पर उतरीं और आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल दिया। हैरिस ने महज17 गेंदों में 52 रन बनाए। उनकी पारी में 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत ओटागो ने लक्ष्य को 15वें ओवर में ही हासिल कर लिया। हैरिस गैबी सुलिवन की गेंद पर डीप में कैच आउट हुईं, लेकिन तब तक जीत लगभग तय हो चुकी थी। लौरा हैरिस ने अपने टी-20 करियर में अब तक 6 बार 20 गेंदों से कम में अर्धशतक पूरे किए हैं। इनमें एक 15 गेंदों में, एक 17 गेंदों में, तीन 18 गेंदों में और एक 19 गेंदों में आई फिफ्टी शामिल है। महिला क्रिकेट में किसी अन्य बल्लेबाज ने यह कारनामा एक से ज्यादा बार नहीं किया है। इस साल की शुरुआत में हैरिस ने इंग्लैंड में वारविकशायर की ओर से खेलते हुए 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

हार मिली तो फिर से गंदी हरकत, नंबर-1 प्लेयर ने दिया कैमरामैन को धक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज की दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार अपनी चालों के लिए नहीं बल्कि अपने गुस्से के लिए। स्नद्धष्ठश्च वर्ल्ड रैपिड एंड ब्लिट्ज चैंपियनशिप 2025 के दौरान कार्लसन का आपा खोना चर्चा का विषय बना हुआ है।

हार की निराशा और कैमरे पर निकला गुस्सा

शनिवार को प्रतियोगिता के दूसरे दिन मैग्नस कार्लसन का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। जब वे रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिव से हार गए, तो उनकी निराशा गुस्से में बदल गई। खेल हॉल से बाहर निकलते समय उनके सामने एक कैमरा आ गया, जिसे कार्लसन ने झटके से धक्का देकर हटा दिया और वहां से चले गए। चेस बेस इंडिया द्वारा साझा किया गया यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पांच बार के विश्व चैंपियन का यह व्यवहार खेल प्रेमियों को हैरान कर रहा है।

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिपः

सूर्या और तन्वी के बीच होगा महिला एकल का खिताबी मैच, पुरुषों में संजीवी-राघव फाइनल में

विजयवाड़ा, एजेंसी। राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल का फाइनल 19 वर्षीय सूर्या करिश्मा तमिरी और 14 वर्षीय तन्वी पात्री के बीच होगा। तन्वी ने सेमीफाइनल में श्रुति मूंदड़ा को 18-21, 21-12, 21-15 से मात दी। पहला गेम हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। सूर्या ने रक्षिता श्री को 21-18, 18-21, 21-9 से हराया। पहला गेम हारने के बाद रक्षिता ने दबाव बनाया और दूसरे गेम में बराबरी की। विजयवाड़ा की सूर्या ने हालांकि तीसरा गेम 21-9 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। सूर्या ने क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा को हराकर उलटफेर किया था। पुरुष एकल फाइनल में ऋत्विक संजीवी का मुकाबला राघव से होगा। ऋत्विक ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय किरण जॉर्ज को 21-16, 17-21, 22-20 से हराया। राघव ने तरुण मानेपल्ली को 21-17, 11-21, 21-11 से मात दी।

कबड्डीः

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की मिली सजा

पाकिस्तान के कबड्डी खिलाड़ी पर लगा प्रतिबंध

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत के एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर राष्ट्रीय महासंघ ने कड़ा ऐतराज जताया और उन पर कड़ी कार्रवाई की है। पाकिस्तान के एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत को एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की सजा मिली है।

उबैदुल्लाह पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने आपातकालीन बैठक बुलाई और उबैदुल्लाह पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

बिना एनओसी लिए खेलने के पाए गए दोषी

उबैदुल्लाह पर महासंघ या अन्य संबंधित अधिकारियों से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना टूर्नामेंट में खेलने के लिए विदेश यात्रा करने का दोषी पाया गया। पीकेएफ के सचिव राणा सरवर ने कहा कि उबैदुल्लाह को अनुशासनात्मक समिति के समक्ष अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि महासंघ ने इस तथ्य पर गंभीरता से ध्यान दिया कि राजपूत न केवल बिना एनओसी के विदेश यात्रा पर

गए, बल्कि उन्होंने भारत की एक टीम का प्रतिनिधित्व किया, उसकी जर्सी पहनी और एक अवसर पर मैच जीतने के बाद भारतीय ध्वज को अपने कंधों पर लपेटा।

सरवर ने कहा कि उबैदुल्लाह ने दावा किया है कि यह पूरी तरह से गलतफहमी थी और उन्हें यह नहीं बताया गया था कि इस निजी टूर्नामेंट में वह जिस टीम के लिए खेलेंगे वह भारतीय टीम होगी। लेकिन फिर भी वह एनओसी नियमों का उल्लंघन करने के दोषी हैं। जीसीसी कप के दौरान भारतीय जर्सी पहने और भारतीय ध्वज लहराते हुए उबैदुल्लाह के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी जिसके बाद वह मुश्किल में फंस गए।

उबैदुल्लाह ने मांगी थी माफी

सरवर ने कहा कि अन्य खिलाड़ियों पर भी एनओसी लिए बिना इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिबंध और जुर्माना लगाया गया है। उबैदुल्लाह ने इससे पहले माफी मांगते हुए कहा था कि उन्हें बहरीन में खेली गई प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था और वह एक निजी टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारतीय टीम रखा था। मैंने आयोजकों से कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के नाम का इस्तेमाल न करें। अतीत में निजी प्रतियोगिताओं में भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक साथ निजी टीम के लिए खेले हैं, लेकिन उन टीमों के नाम भारत या पाकिस्तान की टीम नहीं था। मुझे गलत जानकारी दी गई थी।

गौतम गंभीर से छिनेगी कुर्सी!

BCCI ने टेस्ट में इस दिग्गज को दिया कोचिंग का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर जुलाई, 2024 में भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच बने थे. उनकी कोचिंग में भारत का टी20 और वनडे में प्रदर्शन शानदार रहा है. टीम ने न्यूजीलैंड को फाइनल में हराकर चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता तो वहीं टी20 में एशिया कप जीता. लेकिन टेस्ट में टीम संघर्ष करती हुई दिखी है. आखिरी सीरीज में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर पर 0-2 से टेस्ट सीरीज गंवाई. इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बीसीसीआई में शीर्ष पदस्थ किसी शख्स ने इनफॉर्मल तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से टेस्ट टीम के कोच बनने के बारे में पूछा था.

गौतम गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में भी टेस्ट सीरीज हारी थी, जिसके बाद भारत के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का सपना टूट गया था. इस चक्र (2025-27) में भी भारत की स्थिति अच्छी नहीं है, टीम ने 9 में से 4 मैच ही जीते हैं और इतने ही हारे हैं. टीम छठे नंबर पर है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई में अभी इस बात पर चर्चा है कि फिलहाल गंभीर ही टेस्ट टीम के कोच बने रहने के लिए सही व्यक्ति हैं.

अभी इस पर कोई फैसला नहीं लिया जा पा रहा है कि क्या वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र के अगले 9 मैचों में किसी और को कोच बनाया जाए या गंभीर को ही इस पद पर बने रहना दिया जाए.

लक्ष्मण को मिला था टेस्ट टीम के कोच बनने का ऑफर?

एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवाने के बाद बीसीसीआई में एक शीर्ष पद पर बैठे शख्स ने इनफॉर्मल तौर पीएसई वीवीएस लक्ष्मण से पूछा था, कि क्या वह टेस्ट टीम का कोच बनना चाहेंगे. पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड ऑफ क्रिकेट हैं. खबर के अनुसार वह अभी इसी पद पर बने रहना चाहते हैं. गौतम गंभीर का बीसीसीआई के साथ 2027 वर्ल्ड कप तक का कॉन्ट्रैक्ट है. लेकिन खबर है कि इस पर विचार किया जा सकता है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा.

नोदिरबेक से हारे गुकेश, कार्लसन से आधा अंक पीछे

दोहा, एजेंसी। फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के नौ दौर पूरे हो चुके हैं। भारत के डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी फिलहाल मजबूत स्थिति में हैं। फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दिन चार राउंड खेले गए, नौ राउंड पूरे होने के बाद क्लासिकल विश्व

चैंपियन डी गुकेश और भारत के नंबर-1 अर्जुन एरिगेसी फिलहाल मजबूत स्थिति में हैं। गुकेश और एरिगेसी 6.5 अंकों के साथ 12 अन्य खिलाड़ियों समेत संयुक्त सातवें स्थान पर हैं।

शीर्ष पर रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव और अमेरिका के हंस नीमैन 7.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। आर्टेमिएव ने विश्व नंबर-1 और पांच बार के रैपिड चैंपियन मैग्नस कार्लसन (7 अंक) को हराकर बड़ा उलटफेर किया। कार्लसन अब चार अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर खिसक गए। आर्टेमिएव ने दिन के पहले राउंड में एरिगेसी को भी मात दी थी। गुकेश ने छठे राउंड में नीदरलैंड के अनीश गिरी और सातवें में एलेक्सेय साराना से से ड्रॉ लिया। फिर आठवें में स्पेन के डेविड एंटोन को मात दी, लेकिन नौवें राउंड में उज्बेकिस्तान के पूर्व चैंपियन नोदिरवेक अब्दुसत्तोरोव से हार गए और फिसल गए।

विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर के लिए आयरलैंड की टीम घोषित

डबलिन, एजेंसी। क्रिकेट आयरलैंड ने आईसीसी महिला टी 20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। गैबी लुईस को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि ओर्ला प्रेंडरगास्ट उप-कप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट अगले साल 18 जनवरी से 1 फरवरी तक नेपाल के काठमांडू में खेला जाएगा। हाई परफॉर्मेंस के डायरेक्टर ग्रीम वेस्ट ने कहा, हाल ही में साउथ अफ्रीकी दौरा यह दिखाता है कि इंटरनेशनल क्रिकेट कितना मुश्किल हो सकता है, लेकिन इस दौरे ने यह भी बताया कि हमारी टीम कैसे अनुभव से सीखकर खुद को ढाल सकती है और आगे बढ़ सकती है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज कौशल को निखारने और सुधार के लिए जरूरी क्षेत्रों की पहचान करने

का एक मौका था। क्वालीफायर में टीम को उस अनुभव को मैदान पर अमल में लाना होगा। उन्होंने कहा, नेपाल का विकेट पारंपरिक रूप से धीमी गति के होते हैं, इसलिए हम टीम में तीन फ्रंटलाइन स्पिनर्स को ले रहे हैं। उम्मीद है कि वे इन परिस्थितियों में अहम भूमिका निभाएंगे। कोई भी खिलाड़ी गंभीर रूप से चोटिल नहीं है। उम्मीद है कि एमी हंटर हल्की चोट से पूरी तरह ठीक हो जाएंगी, जिसकी वजह से वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे से बाहर थीं। हम कोच और टीम को शुभकामनाएं देते हैं। उम्मीद करते हैं कि क्वालीफाइंग अभियान सफल होगा और जून 2026 में आयरलैंड एक बड़े इवेंट में फिर से हिस्सा लेगा। आयरिश टीम 6 जनवरी 2026 को दुबई में 6 दिवसीय कैंप में हिस्सा लेने के लिए रवाना होगी, जिसके बाद 12 जनवरी को नेपाल जाएगी। आयरलैंड की टीम नेपाल और जिम्बाब्वे के खिलाफ दो आधिकारिक वार्म-अप मैच खेलेगी। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में बांग्लादेश, आयरलैंड, नीदरलैंड, नामीबिया, नेपाल, पापुआ न्यू गिनी, स्कॉटलैंड, थाईलैंड, यूएसए और जिम्बाब्वे की टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं।

इन टीमों को पांच-पांच के दो ग्रुप में बांटा गया है। आयरलैंड को ग्रुप ए में रखा गया है।

टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए आयरलैंड की टीमः गैबी लुईस (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टीना कोल्टर रीली, अलाना डेलजेल, लौरा डेलानी, सारा फॉर्ब्स, एमी हंटर, अर्लीन केली, एमी मैगुइरे, जेन मैगुइरे, लारा मैकब्राइड, कारा मरे, लेह पॉल, ओर्ला प्रेंडरगास्ट, रेबेका स्टोकवेल।

श्रीलंका दौरे के लिए पाकिस्तानी टीम का ऐलान, बाबर-शाहीन बाहर, इस स्टार ऑलराउंडर की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तानी टीम को श्रीलंका का दौरा करना है, जहां वो मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में भाग लेगी. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अब इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. इस टी20 सीरीज में पाकिस्तानी टीम की कप्तानी सलमान अली आगा करेंगे. सीरीज के तीनों मैच दांबुला में 7, 9 और 11 जनवरी को खेले जाने हैं. इस सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीम में ऑलराउंडर शादाब खान की वापसी हुई है. 27 वर्षीय शादाब ने इस साल कंधे की सर्जरी कराई थी. नेशनल क्रिकेट एकेडमी में सफल रिहैब के बाद वह पूरी तरह फिट हो चुके हैं. शादाब फिलहाल सिडनी थंडर के लिए बिग बैश लीग में खेल रहे हैं. पीसीबी ने शादाब पर भरोसा जताते हुए उन्हें सीधे टीम में शामिल किया है. यह सीरीज पाकिस्तान को टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ आजमाने और नए कॉम्बिनेशन को परखने का मौका देगी. इस सीरीज के लिए बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ को स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है. तीनों खिलाड़ी इस समय ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेल रहे हैं. ऐसा माना जा रहा है कि इस लीग में व्यस्तता के कारण उन्हें चयन से बाहर रखा गया है. हालांकि, इसी लीग में खेल रहे शादाब खान की तो टीम में वापसी हो गई. बाबर आजम का फॉर्म लगातार चिंता का विषय बना

हुआ है. बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए बाबर ने 4 मैचों में 110.1 के स्ट्राइक रेट सिर्फ 71 रन बनाए हैं. बाबर को एशिया कप टीम से भी बाहर रहा गया था, हालांकि बाद में उनकी साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन टी20 मैचों और ट्राई सीरीज के लिए टीम में वापसी हुई. इस साल टी20 इंटरनेशनल में बाबर का प्रदर्शन साधारण रहा, जहां उन्होंने 8 मैचों में 114.44 की स्ट्राइक-रेट से 206 रन बनाए. तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी इस समय ब्रिस्बेन हीट की ओर से बिग बैश लीग में खेल रहे हैं, लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है. अब तक वह सिर्फ 2 विकेट ही ले पाए हैं, जबकि उनका गेंदबाजी औसत और इकोनॉमी रेट काफी खराब रहा है. टी20 टीम में पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान को एक बार फिर जगह नहीं मिली है. रिजवान को टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड से भी बाहर रखा जा सकता है.

टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीमः

सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), सैम अयूब, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) और उस्मान तारिक.

बांग्लादेश : छात्र-नेतृत्व वाली एनसीपी में चुनाव से पहले फूट

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश में फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से पहले जमात-ए-इस्लामी के साथ प्रस्तावित गठबंधन के प्रस्ताव को लेकर छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) में रातों रात आंतरिक फूट देखी जा रही है। दरअसल, पार्टी के 30 नेताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए एक संयुक्त पत्र जारी किया है जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। एनसीपी, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक बड़ा राजनीतिक धड़ा है। एसएडी ने पिछले वर्ष हुए हिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसे जुलाई विद्रोह कहा जाता है। इस आंदोलन के परिणामस्वरूप तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। एनसीपी फरवरी में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के समर्थन से एक राजनीतिक दल के रूप में उभरी।

ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले पहले व्यक्ति एवं एनसीपी के संयुक्त सदस्य-सचिव मुशफिक उस सलीहीन ने शनिवार रात संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने जुलाई विद्रोह की जवाबदेही और पार्टी मूल्यों के संदर्भ में संभावित गठबंधन पर सैद्धांतिक आपत्तियां शीर्षक वाला ज्ञापन पार्टी संयोजक नाहिद इस्लाम को भेज दिया है। ज्ञापन में जमात के साथ गठबंधन को लेकर गंभीर चिंताएं जताते हुए कहा गया कि यह पार्टी की घोषित विचारधारा, जुलाई विद्रोह पर उसके रुख और लोकतांत्रिक नैतिकता के विपरीत है। इसमें जमात के विवादास्पद राजनीतिक इतिहास की ओर भी इशारा किया गया है। विशेष रूप से बांग्लादेश की स्वतंत्रता के विरुद्ध उसकी भूमिका तथा 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान नरसंहार और अपराध में कथित सहयोग की ओर इशारा किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि ये सब बांग्लादेश की लोकतांत्रिक भावना और एनसीपी के मूल मूल्यों से मेल नहीं खाती। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि जमात के छात्र संगठन छात्र शिविर ने हाल में अन्य पार्टियों में सेंध लगाकर उन्हें नुकसान पहुंचाने की विभिन्न घटनाओं के लिए एनसीपी को दोषी ठहराने और गलत सूचना एवं दुष्प्रचार फैलाने का प्रयास किया। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि जमात के साथ प्रस्तावित गठबंधन से एनसीपी की राजनीतिक विश्वसनीयता और जनविश्वास को ठेस पहुंचेगी, जिससे हमारे कई कार्यकर्ताओं और समर्थकों, विशेषकर नई राजनीति का समर्थन करने वाली युवा पीढ़ी व आम नागरिकों के बीच भ्रम व निराशा उत्पन्न होगी। यह ज्ञापन तब सार्वजनिक किया गया, जब एनसीपी की वरिष्ठ संयुक्त सदस्य-सचिव तसनीम जारा ने शनिवार शाम को अपने पद से इस्तीफा दे दिया और राजधानी ढाका के एक निर्वाचन क्षेत्र से आगामी संसदीय चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की। जारा ने फेसबुक पोस्ट में कहा, वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए मैंने किसी भी विशेष पार्टी या गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनका इस्तीफा जमात के साथ प्रस्तावित गठबंधन से जुड़ा है या नहीं, लेकिन अखबारों की खबरों में कहा गया है कि उनके पति और पार्टी के संयुक्त संयोजक खालिद सैफुल्लाह ने भी संगठन छोड़ दिया है। अखबार इत्तेफाक ने शनिवार को बताया था कि एनसीपी की अधिकतर महिला नेता जैसे वरिष्ठ संयुक्त संयोजक समता शरमिन, वरिष्ठ सदस्य-सचिव नाहिद सरवार नीवा, संयुक्त संयोजक तजनुवा जाबिन और संयुक्त सदस्य-सचिव नुसरत तबस्सुम जमात या किसी भी धर्म-आधारित पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ हैं और उन्होंने पार्टी के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। हालांकि, ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में अधिकतर एनसीपी के पुरुष सदस्य हैं। एनसीपी ने अब तक अपने प्रस्तावित गठबंधन को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन डेली स्टार अखबार ने कहा है कि पार्टी अगले एक-दो दिनों में जमात के साथ सीट-बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप दे सकती है। इस बीच, जमात के महासचिव मिया गोलाम परवार ने अखबार से कहा कि एनसीपी के साथ उनकी बातचीत एक-एक सीट के आधार पर हो रही है और सीट साझा करने की संभावना है, मामला बहुत जल्द साफ हो जाएगा। प्रथम आलो अखबार ने पहले बताया था कि एनसीपी और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच भी सीट-बंटवारे की संभावना पर चर्चा हुई थी लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। खबर में कहा गया है, उसके बाद एनसीपी और जमात के बीच बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ी।

विरोध-प्रदर्शनों की वजह से प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार सत्ता से हट गई थी

हादी हत्या मामले के दो संदिग्धों के भारत भागने का संदेह : बांग्लादेश पुलिस का दावा

» ढाका, भाषा।

इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के दो मुख्य संदिग्ध बांग्लादेश से फरार हो गए हैं और उनके इस समय भारत में होने का संदेह है। ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। नकाबपोश बंदूकधारियों ने 12 दिसंबर को मध्य ढाका के विजयनगर इलाके में हादी के सिर में उस समय गोली मार दी थी, जब वह चुनाव प्रचार कर रहे थे। बाद में सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। डीएमपी ढाका के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं परिचालन) एस. एन. मोहम्मद नजर-उल इस्लाम ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख स्थानीय सहयोगियों की मदद से भारत के मेघालय में घुस गए हैं। द डेली स्टार ने इस्लाम के हवाले से अपनी खबर में कहा, हमारी जानकारी के अनुसार, दोनों संदिग्ध हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश कर गए।

सीमा पार करने के बाद उन्हें पहले पुरती नाम का एक व्यक्ति मिला। इसके बाद सामी नाम के एक टैक्सी चालक ने उन्हें मेघालय के तूरा शहर तक पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को अनौपचारिक जानकारी मिली कि फरार आरोपियों की मदद करने वाले दोनों लोग पुरती और सामी को भारत में अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। डीएमपी अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश सरकार संदिग्धों को वापस लाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा, उनकी गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण सुनिश्चित करने के लिए हम औपचारिक और अनौपचारिक दोनों माध्यमों से भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। हालांकि, डीएमपी अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों संदिग्ध कब बांग्लादेश से भागकर भारत में घुसे। इस मामले पर भारतीय अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संवाद संस्था (बीएसएस) की खबर के अनुसार इस्लाम ने कहा है कि हादी की हत्या की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और आगामी सात से दस दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब तक हत्या के मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से छह ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 164 के तहत अदालत के सामने इकबालिया बयान दिए हैं। पुलिस ने कहा कि यह हत्या सुनियोजित थी। इंकलाब मंच के प्रवक्ता हादी पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध-प्रदर्शनों में शामिल प्रमुख नेताओं में से एक थे। इन विरोध-प्रदर्शनों की वजह से तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार सत्ता से हट गई थी। वह 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में एक उम्मीदवार थे।

बांग्लादेश में हिंदू श्रमिक की हत्या की भारतीय अमेरिकी सांसद ने निंदा की

न्यूयॉर्क, भाषा। भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने बांग्लादेश के एक कपड़ा कारखाने में काम करने वाले हिंदू श्रमिक की हत्या की निंदा की है और वैश्विक समुदाय से ऐसे घृणित, नफरत एवं कट्टरता से प्रेरित कृत्यों के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया है। बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले के बालुका में भीड़ ने कथित ईशनिंदा को लेकर दिपू चंद्र दास (27) की इस महीने की शुरुआत में पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और उसके शव को आग लगा दी गई। हत्या के संबंध में अब तक करीब 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। खन्ना ने सोशल मीडिया मंच पर शनिवार को एक पोस्ट साझा कर दास की हत्या को भयानक घटना बताया। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य एवं सांसद खन्ना ने कहा, मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उसके मित्रों और परिवार के साथ हैं। हमें नफरत और कट्टरता से प्रेरित इन घृणित कृत्यों की पुरजोर निंदा करनी चाहिए और इनके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र ने भी बांग्लादेश में हालिया हिंसा पर चिंता जताई थी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा था, बांग्लादेश में जो हिंसा हमने देखी है, उसे लेकर हम बहुत चिंतित हैं। उन्होंने देश में अल्पसंख्यकों पर हमलों, विशेषकर हाल में भीड़ द्वारा हिंदुओं की हत्याओं पर महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े प्रश्न का उत्तर देते हुए यह कहा।

न्यूज | ब्रीफ

गिनीः तख्तापलट के बाद पहले राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान, जुंटा नेता की जीत की संभावना

» कोनाक्री (गिनी), भाषा।

गिनी में 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति चुनने के लिए रविवार को पहली बार मतदान हो रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष के कमजोर होने के चलते जुंटा नेता जनरल ममादी डौम्बौया की जीत की प्रबल संभावना है। यह चुनाव उस सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का अंतिम चरण है, जो चार साल पहले डौम्बौया द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को सत्ता से बेदखल करने के बाद शुरू हुई थी। आलोचकों का कहना है कि मुख्य विपक्षी दलों को दरकिनार किए जाने के कारण जनरल डौम्बौया के सामने कोई मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं बचा है। बॉक्साइट का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक होने के बावजूद गिनी की 1.5 करोड़ की आबादी का आधा हिस्सा गरीबी और खाद्यान्न संकट का सामना कर रहा है।

बेरोजगार युवाओं को उम्मीद है कि इस चुनाव के बाद उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। चुनाव में कुल नौ उम्मीदवार हैं, जिनमें डौम्बौया के मुख्य प्रतिद्वंद्वी एरो बाल्डे हैं। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री लैंसाना कुयते सहित कई नेताओं को तकनीकी आधार पर बाहर कर दिया गया था, जबकि कुछ प्रमुख विपक्षी नेता निर्वासन में हैं। देश भर के 24,000 मतदान केंद्रों पर करीब 67 लाख मतदाता मतदान कर रहे हैं। परिणाम 48 घंटों के भीतर आने की उम्मीद है। यदि किसी को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है, तो दूसरे दौर का मतदान होगा।

यूरोपीय हमले पर मॉस्को की प्रतिक्रिया विनाशकारी होगी :रूसी विदेश मंत्री

» मॉस्को, भाषा।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि मॉस्को का यूरोप में किसी पर भी हमला करने का इरादा नहीं है, लेकिन किसी भी हमले पर उसकी प्रतिक्रिया विनाशकारी होगी। लावरोव ने दावा किया कि यूरोपीय संघ का युद्ध समर्थक पक्ष यूक्रेन शांति प्रयासों में एक बड़ी बाधा बन गया है। लावरोव की चेतावनी उस दिन आई जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात प्रस्तावित है। लावरोव ने सरकारी समाचार एजेंसी तास को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यूरोपीय राजनेताओं को, जिन्हें इस तथ्य को समझने में कठिनाई हो रही है, मेरा संदेश एक बार फिर यही है कि रूस द्वारा किसी पर भी हमला करने का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा, हालांकि, अगर कोई रूस पर हमला करने का विचार करता है, तो उसे करारा झटका लगेगा। उन मीडिया रिपोर्ट पर कि कुछ यूरोपीय शक्तियां कीव के लिए सुरक्षा गारंटी के हिस्से के रूप में यूरोपीय सैनिकों की तैनाती पर जोर दे रही हैं, लावरोव ने कहा कि ऐसी शक्तियां जाहिर तौर पर रूस के निशाने पर होंगी। रूसी मंत्री ने कहा, हालांकि रूस ने कभी अपने यूरोपीय पड़ोसियों को शत्रुतापूर्ण कार्रवाई से निशाना बनाने की पहल नहीं की है। एक अन्य रिपोर्ट में, तास ने लावरोव के हवाले से कहा कि ताइवान को लेकर संघर्ष भड़कने की स्थिति में मॉस्को चीन का पूरी तरह से समर्थन करेगा।

दक्षिण अफ्रीका में इमारत गिरने से एक साल के बच्चे समेत तीन की मौत

» जोहान्सबर्ग, भाषा।

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पश्चिम में स्थित सोवेटो उपनगर में रविवार तड़के दो मंजिला इमारत के ढहने से एक साल के बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए और उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि इमारत ढहने के समय उसके भीतर कुल छह लोग मौजूद थे, आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों ने मलबे के नीचे फंसे तीन घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जोहान्सबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं के प्रवक्ता जोलिले खुमालो ने कहा इस दुखद घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जिनमें दो वयस्क महिलाएं और एक बच्चा शामिल था। मामले की जांच अधिकारियों को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 12 दिसंबर को डरबन के तटीय शहर के पास एक हिंदू मंदिर के परिसर में बनी बहुमंजिला इमारत के गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई थी।

म्यांमा में सैन्य शासन के बाद पहले चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान शुरू

» यांगून, भाषा।

म्यांमा में सैन्य सरकार की देखरेख में पहली बार हो रहे आम चुनाव के पहले चरण के लिए रविवार को मतदान जारी है। जनवरी के अंत में मतदान के दो और दौर पूरे होने के बाद ही अंतिम परिणाम पता चलेंगे। व्यापक रूप से यह संभावना जताई जा रही है कि 2021 में सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद से देश का शासन संभाल रहे जनरल मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे। सैन्य सरकार ने इस चुनाव को चुनावी लोकतंत्र की वापसी के रूप में प्रस्तुत किया है।

लेकिन आलोचकों का आरोप है कि यह चुनाव सैन्य शासन को वैध दिखाने के लिए किया जा रहा है। म्यांमा में फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सत्ता से हटाए जाने के बाद सैन्य शासन शुरू हुआ था। देश के सबसे बड़े शहर यांगून, राजधानी नेपीता और अन्य जगहों पर मतदाता विद्यालयों, सरकारी भवनों और धार्मिक इमारतों में मतदान कर रहे हैं। आलोचकों का तर्क है कि प्रमुख दलों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने और दमनकारी माहौल के कारण चुनाव परिणाम वैध नहीं होंगे। उनका तर्क है कि सैन्य समर्थित यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी की संभावित जीत नागरिक शासन आने का मात्र एक भ्रम पैदा करेगी। मतदान तीन चरणों में हो रहा है। रविवार को पहला चरण म्यांमा की कुल 330 टाउनशिप में से 102 में कराया जा रहा है। दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। अंतिम नतीजों की घोषणा फरवरी तक होने की उम्मीद है।

ब्रिटेन में एक भारतीय व्यक्ति ने रेस्तरां प्रबंधक के खिलाफ नस्ली भेदभाव का मुकदमा जीता

लंदन, भाषा। ब्रिटेन के एक न्यायाधिकरण ने दक्षिण-पूर्वी लंदन में एक मशहूर कंपनी के फ्रेंचाइजी आउटलेट में अपने प्रबंधक पर गलत तरीके से बर्खास्तगी और नस्ली भेदभाव का आरोप लगाने वाले एक भारतीय व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया और मुआवजे के रूप में लगभग 67,000 पाउंड देने का आदेश दिया। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले मधेश रविचंद्रन ने रोजगार न्यायाधिकरण की सुनवाई में बताया कि उनके श्रीलंकाई तमिल प्रबंधक ने उनके साथ भेदभाव किया और उनके लिए गुलाम और भारतीय धोखेबाज हैं जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। इस सप्ताह हुई सुनवाई के विवरण के अनुसार, न्यायाधिकरण के न्यायाधीश पॉल एबॉट ने रविचंद्रन के गलत तरीके से बर्खास्तगी और नस्ली भेदभाव के दावे को सही ठहराया। जनवरी 2023 में, रेस्तरां प्रबंधक काजन के साथ साक्षात्कार के बाद रविचंद्रन ने वेस्ट विकहम स्थित आउटलेट में काम शुरू किया। काजन को उन्हें सीधे रिपोर्ट करना था। कई महीनों तक समस्याओं का सामना करने के बाद, जुलाई 2023 में मामला तब और बिगड़ गया जब काजन ने रविचंद्रन से शिफ्ट में अत्यधिक घंटे काम करवाने की कोशिश की और उनके साथ नस्ली भेदभाव किया।

नेपाल चुनावः आरएसपी की ओर से बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया

» काठमांडू, भाषा।

काठमांडू महानगरपालिका के महापौर बालेंद्र शाह को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। बालेंद्र शाह को बालेन के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले, बालेन और आरएसपी ने नेपाल आम चुनाव मिलकर लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। देश में आम चुनाव के लिए मतदान पांच मार्च को होने हैं। रातभर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्री समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता एवं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया, जबकि रबी लामिछाने भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में चौथी सबसे बड़ी पार्टी आरएसपी के अध्यक्ष बने रहेंगे।

समझौते के अनुसार, बालेन और उनका समूह निर्वाचन आयोग द्वारा आवंटित आरएसपी के चुनाव चिह्न घंटी पर चुनाव लड़ेगा। समझौते के बाद रबी लामिछाने ने कहा कि यह सहमति व्यक्तिगत नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों को प्रतिबिंबित करनी चाहिए। उन्होंने यह बात रविवार सुबह फेसबुक पोस्ट में कही। समझौते में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवा पीढ़ी द्वारा शुरू किए गए आंदोलन की जिम्मेदारी ली है और जेन-जेड के प्रदर्शनकारियों द्वारा उठाई गई मांगों को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समझौता युवा-नेतृत्व वाली उन उभरती राजनीतिक ताकतों को एकजुट करने की दिशा में एक अहम कदम है, जिन्होंने सितंबर के आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसी आंदोलन के कारण के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी। इस समझौते के बाद बड़ी संख्या में जेन-जेड समर्थकों के आरएसपी में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग के नेतृत्व वाले एक अन्य नवगठित दल उज्यालो नेपाल पार्टी (यूएनपी) ने गठबंधन में शामिल होने को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। मंत्री ने एकजुटता और सहयोग पर बालेन के साथ कई दौर की वार्ता की है। समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के दौरान आरएसपी के वरिष्ठ नेता डॉ. स्वर्णिम वागले, डी.पी. आर्यल और शिशिर खनाल मौजूद थे। लामिछाने की ओर से असीम शाह शामिल हुए, जबकि बालेन शाह के पक्ष से कुमार ब्यांजंकर, निश्चल बसनेत और भूप देव शाह उपस्थित थे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर : चिकित्सक

ढाका, भाषा। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उनके निजी चिकित्सक ने यह जानकारी दी। कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही 80 वर्षीय खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉ. ए.जेड.एम. जाहिद ने शनिवार को मध्यरात्रि के बाद एवरकेयर अस्पताल के बाहर बिना पूर्व सूचना के आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24डॉटकॉम की खबर के अनुसार, डॉ. जाहिद ने देशवासियों से खालिदा जिया के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करने की अपील भी की। उन्होंने कहा, अगर अल्लाह की रहमत से वह इस नाजुक दौर से बाहर निकल जाती हैं, तो हमें कुछ सकारात्मक खबर सुनने को मिल सकती है। पार्टी सदस्यों के मुताबिक, खालिदा जिया के बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने अस्पताल में दो घंटे से अधिक समय बिताया और आधी रात के आसपास रवाना हुए। स्थानीय और विदेशी दोनों चिकित्सक उनकी देखभाल में लगे हैं। उनकी बहू डॉ. जुबैदा रहमान भी उपचार प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। बीएनपी ने पहले संकेत दिया था कि वह खालिदा जिया को उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए विदेश ले जाना चाहती है। हालांकि, उनकी वर्तमान शारीरिक स्थिति हवाई यात्रा की अनुमति नहीं देती, इसलिए उनका इलाज फिलहाल देश में ही जारी है।

चीन में भ्रष्टाचार के आरोप में उच्च पदस्थ तीन सैन्य अधिकारियों को निष्कासित

बीजिंग, भाषा। भ्रष्टाचार के खिलाफ नवीनतम कार्रवाई के तहत चीन की संसद ने उच्च पदस्थ तीन सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थाई समिति ने केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) की राजनीतिक और कानूनी मामलों की समिति के प्रमुख वांग रेनहुआ, पीपुल्स आर्म्ड पुलिस (पीएपी) के राजनीतिक आयुक्त झांग होंगबिंग और सीएमसी के प्रशिक्षण विभाग के निदेशक वांग पेंग को शनिवार को बर्खास्त कर दिया। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने रविवार को बताया कि ये तीनों सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था केंद्रीय समिति के पूर्ण सदस्य बने हुए हैं। इस घोषणा से जनरलों के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों की पुष्टि हो गई है। खबर के मुताबिक, ये लोग हाल के महीनों में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों से अनुपस्थित रहे हैं, जिनमें जुलाई के अंत में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की वर्षगांठ का समारोह और अक्टूबर में पार्टी का चौथा पूर्ण सत्र शामिल है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थाई समिति ने सीएमसी के पूर्व उपाध्यक्ष हे वेइडोंग को भी निष्कासित कर दिया, जिन्हें इस वर्ष अक्टूबर में सीपीसी से बाहर कर दिया गया था और सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। चीनी सेना की समग्र सर्वोच्च कमान सीएमसी का नेतृत्व राष्ट्रपति शी चिनफिंग करते हैं। स्थाई समिति ने पीएलए के राजनीतिक कार्य विभाग के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी हे होंगजुन की सदस्यता भी रद्द कर दी।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी ने किया खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बंकर में छिपने की मिली थी सलाह

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खुलासा किया है कि उन्हें इस साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बंकर में छिपने की सलाह दी गई थी। जरदारी ने यह खुलासा अपनी पत्नी और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की 18वीं पुण्यतिथि के मौके पर सिंध प्रांत के लरकाना में एक कार्यक्रम में किया। सत्ताईस दिसंबर 2007 को रावलपिंडी में बेनजीर भुट्टो की हत्या कर दी गई थई।उन्होंने कहा, मेरे एमएस (सैन्य सचिव) मेरे पास आए और कहा, सर, युद्ध शुरू हो गया है। मैंने उन्हें चार दिन पहले ही बता दिया था कि युद्ध होने वाला है। उन्होंने कहा, सर, हमें एक बंकर में चले जाना चाहिए ... मैंने कहा, अगर शहादत आनी है, तो यहीं आएगी। नेता बंकरों में नहीं मरते। वे युद्धभूमि में मरते हैं।

वे बंकरों में बैठकर नहीं मरते। भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। यह कार्रवाई पहलगाम हमले के प्रतिशोध में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इस हमले के बाद चार दिन तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने के समझौते के साथ समाप्त हुई। जरदारी ने कहा, पाकिस्तान शांति चाहता है, लेकिन पूरी तरह से अपनी रक्षा के लिए तैयार है। राष्ट्रपति जरदारी ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की सराहना की और कहा कि यह भारत को दिया गया उचित जवाब था। जरदारी ने यह दावा भी किया कि अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान के रुख को स्वीकार कर रहा है और यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी मुनीर की सराहना की थी। उन्होंने यह दावा भी किया कि पीपीपी (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) ने ही मुनीर को फील्ड मार्शल बनवाया। उन्होंने कहा, हमने, पीपीपी, ने जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल बनवाया। जरदारी के बेटे और पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी इस अवसर पर बात की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886